



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-11012020-215335
CG-DL-E-11012020-215335

असाधारण

EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3 उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 164]
No. 164]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 10, 2020/पौष 20, 1941
NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 10, 2020/PAUSHA 20, 1941

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 जनवरी, 2020

का.आ. 174(अ).—अधिसूचना का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की धारा 3 की उपधारा (2) के खंड (v) और खंड (xiv) तथा उपधारा (3) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जारी करने का प्रस्ताव करती है, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) की अपेक्षानुसार, उससे प्रभावित होने वाले जनसाधारण की जानकारी के लिए, प्रकाशित किया जाता है; और यह सूचित किया जाता है कि उक्त प्रारूप अधिसूचना पर, इस अधिसूचना को अंतर्विष्ट करने वाले भारत के राजपत्र की प्रतियां जनसाधारण को उपलब्ध करा दिए जाने की तारीख से, साठ दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा;

प्रारूप अधिसूचना में अंतर्विष्ट प्रस्तावों के संबंध में कोई आक्षेप या सुझाव देने का इच्छुक व्यक्ति विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर, केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किए जाने के लिए, आक्षेप या सुझाव सचिव, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड, अलीगंज, नई दिल्ली-110003 या मंत्रालय के ई-मेल पते: esz-mef@nic.in पर भेज सकता है।

प्रारूप अधिसूचना

और, मुकन्दरा हिल्स टाइगर रिज़र्व (एमएचटीआर) का गठन वर्ष 2013 में किया गया था, जिसमें मुकन्दरा हिल्स राष्ट्रीय उद्यान, दारा अभयारण्य, जवाहर सागर अभयारण्य और राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल अभयारण्य (गरदिया महादेव से जवाहर सागर बांध तक) का क्षेत्र शामिल है, जो कि मुकन्दरा हिल्स टाइगर रिज़र्व के कोर क्षेत्र का गठन करता है;

और, टाइगर रिज़र्व 759.99 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में फैला हुआ है और राजस्थान राज्य में कोटा जिला के लाडपुरा, संगोद, रामगंजमंडी तहसील, झालावर जिला के झालरपटन तहसील, बूंदी जिला के तलेरा तहसील और चित्तौड़गढ़ जिला के रावतभाटा तहसील में स्थित है। जवाहर सागर अभयारण्य उत्तर अक्षांश 24°-56' से 25° 7.5' और पूर्व देशांतर 75° 26.50' से 75° 41' के बीच स्थित है। यह रावतभाटा से 35 किलोमीटर और बूंदी से 75 किलोमीटर में स्थित है और यह राजस्थान सरकार की अधिसूचना संख्या एफ 3(5) (13) आरईवी. 18/73 दिनांक 9 अक्टूबर, 1975 को अभयारण्य के रूप में घोषित किया गया था;

और, मुकन्दरा हिल्स टाइगर रिज़र्व का नाम संकीर्ण केंद्रीय रेंज के साथ दो निरंतर समतल टॉप और प्रायः समानांतर पहाड़ियों के साथ रखा गया है, जो विंध्य रेंज प्रणाली का भाग है, जो चंबल नदी से कलीसिंध तक फैली हुई है और लगभग 80 किलोमीटर लंबाई में और 2 से 5 किलोमीटर की चौड़ाई में है;

और, मुकन्दरा हिल्स टाइगर रिज़र्व न केवल प्राकृतिक सुंदरता और जैव विविधता से समृद्ध है, बल्कि रणथंभौर से कम से कम दो संभाव्य गलियारे हैं - एक इंद्रगढ़ के माध्यम से - लखेरी - रामगढ़ विशधारी अभयारण्य- दाबी- जवाहर सागर अभयारण्य और अन्य चंबल और कालीसिंध से दारा के दरों के माध्यम है। हालाँकि, इस समृद्ध प्राकृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए, रणथंभौर टाइगर रिज़र्व के बाघों को सुरक्षित मार्ग/गलियारा प्रदान करने और क्षेत्र में बाघों को फिर से लाने के लिए विशेष प्रयासों की आवश्यकता है। इसलिए इसे विशेष विधि संरक्षण दिया गया है जो इसे टाइगर रिज़र्व के रूप घोषित करके वन्यजीव संरक्षण अधिनियम - 1972 की धारा 38(V) के अधीन उपलब्ध है;

और, मुकन्दरा हिल्स टाइगर रिज़र्व (एमएचटीआर) घने वन (कैनोपी का घनत्व 0.6 से 0.7) से युक्त है और ठोक और खैर प्रमुख प्रजातियाँ हैं। यहां शैवाल, कवक, ब्रायोफाइट्स, टेरिडोफाइट्स और एंजियोस्पर्म की कई प्रजातियाँ उपलब्ध हैं। यह आर्किड और ट्यूबोरस पौधों में भी समृद्ध है। घाटी और धाराएं औषधीय पौधों की कई प्रजातियों का वास है। एथनो औषधीय दृष्टिकोण से उनमें से बड़ी संख्या बहुत महत्वपूर्ण है। संरक्षित क्षेत्र में मुख्य वनस्पति प्रजातियाँ हिंगोट (बालानाइट्स एजिप्टिका), खखारो (ब्यूटिया मोनोसपरमा), खजूर (फोनिक्स सिल्वेस्ट्रीस), विलायति बबुल (प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा), खैर (अकेशिया कैटेचु), धवड़ा (एनोगाइसिस लेटिफोलिया), कलम (मित्रागिनपर्विफ्लोरा), अर्दुसा (अडाटोडा वासिका), लिसोडा (काँडिया मायक्सा), कडाया (स्टर्कुलिया यूरेन्स), आदि उपलब्ध हैं;

और, मुकन्दरा हिल्स टाइगर रिज़र्व किसी समय भारतीय राष्ट्रीय पशु और फ्लैगशिप प्रजाति टाइगर का बहुत ही अच्छा वास था। टाइगर रिज़र्व दुर्लभ और लुप्तप्राय जीवजंतु जैसे रीछ (मेलार्सिस यूर्सिनस), सांभर (करवस यूनिकोलर), रतेल (मालीवोरा कैपेन्सिस), कॉमन लंगूर (प्रेस्विटिस एंटेल्स), जंगली सूअर (सुस स्क्रोफा), पैंथर (पेंथेरा पार्डस), ब्लू बुल (बोसेलाफस ट्रागोकैमेलस), सियार (कैनिंस ओरेस), धारीदार लकड़बग्गा (हाइना हाइना), चित्तीदार हिरण (एक्सिस एक्सिस), भारतीय साही (हिस्ट्रिक्स इंडिका), मॉनिटर छिपकली (वारनस बेंगालेंसिस), पायथन (पायथॉन मोलर्सिस), रैट स्लेक (पाइटस म्यूकोसस), रसेल वाइपर (वाइपर रसेली), कोबरा (नाज़ा नाज़ा), आदि को संरक्षण प्रदान करता है;

और, संरक्षित क्षेत्रों से मुख्य पक्षी जीव लिटिल ग्रेबे (टेकीवैप्टस रूफिकोलिस), ग्रेट कॉमॉरेंट (फेलाक्रोकैरेक्स कार्बो), कॉमन किंगफिशर (एलेडेसो एथिस), रेड वॉटलड लैपविंग (वनीलस इंडिकस), रॉक कबूतर (कोलंबा लिविया), रोज रिंगड पैराकेट (सिट्टाकुला युपैट्रीया), प्लम हेडेड पैराकेट (सिट्टाकुला सायनोसेफाला), रूफस ट्रीपी (डेंड्रोकिट्टा वेजुबुन्डा), ओरिएंटल मैगपाई रॉबिन (कोप्सिकस सैलारिस), कॉमन बब्बलर (टर्बाइडस क्युडाटस), लिटिल एगरेट (एग्रेटा गार्जेटा), आदि, अभिलिखित किये गये हैं;

और, संरक्षित क्षेत्र में महत्वपूर्ण दुर्लभ, लुप्तप्राय और संकटापन्न प्रजातियां एमोफोरलस पेओनिफोलियस, एनोगाइसिस सेरिसिया, बाउहिनिया वाहली, ट्रिबुलस राजस्थानिसिस, एनोगेइसिस लैटिफोलिया, कोनीफोरा वाइटी, अकेशिया कैटेचु, अकेशिया ल्यूकोफोलिया, भेडिया, लोमड़ी और अजगर उपलब्ध हैं;

और, संरक्षित क्षेत्र में कुछ महत्वपूर्ण पुरातत्व स्थल भी हैं जैसे कि गरगोन किला जो एक यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल है, अबली मीनिका महल, रौंथा महल, मंदिरों का बदोली समूह आदि। कुछ महत्वपूर्ण धार्मिक तीर्थ स्थल हैं गर्दिया महादेव, गपेरनाथ, अंबरानी माताजी, नाहर सिंह माताजी आदि। चंबल की सुंदर घाटियां और अद्वितीय भू-दृश्य टाइगर रिजर्व का भाग है। मुकन्दरा हिल्स टाइगर रिजर्व कलीसिंध, आहु, अमझर, इरु, ब्राह्मणी और चंबल जैसी नदियों के जलग्रहण क्षेत्र के रूप में कार्य करती है। लक्ष्मीपुरतालई, बेवडातलाई, कडपकखल और चंबल नदी जैसे जल निकाय प्रवासी पक्षियों को बहुत आकर्षित करते हैं। हालाँकि, मुकन्दरा हिल्स टाइगर रिजर्व पर्यटकों को एक काल्पनिक आकर्षण प्रदान करता है। यह पारिस्थितिकी पर्यटन को बढ़ावा देने की अच्छी सुविधा है जो रिजर्व में बाघों को लाए जाने के साथ बढ़ेगा;

और, मुकन्दरा हिल्स टाइगर रिजर्व के क्षेत्र विस्तार और सीमाओं जो कि पारिस्थितिकी, पर्यावरणीय और जैव विविधता की दृष्टि से पारिस्थितिकी संवेदी जोन के रूप में इस अधिसूचना के पैरा 1 में विनिर्दिष्ट हैं, को सुरक्षित और संरक्षित करना तथा उक्त पारिस्थितिकी संवेदी जोन में उद्योगों या उद्योगों के वर्गों के प्रचालन तथा प्रसंस्करण करने को प्रतिषिद्ध करना आवश्यक है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) के साथ पठित और पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) (जिसे इसमें इसके पश्चात् पर्यावरण अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) और उपधारा (2) के खंड (v) और खंड (xiv) और उप-धारा (3) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राजस्थान राज्य के कोटा, झालावर, बूंदी, चित्तौड़गढ़ जिले में मुकन्दरा हिल्स टाइगर रिजर्व की सीमा के चारों ओर 0 (शून्य) से 1.0 किलोमीटर तक के विस्तारित क्षेत्र को पारिस्थितिकीय संवेदी जोन (जिसे इसमें इसके पश्चात् पारिस्थितिकी संवेदी जोन कहा गया है) के रूप में अधिसूचित करती है, जिसका विवरण निम्नानुसार है, अर्थात् :-

1. **पारिस्थितिकी संवेदी जोन का विस्तार और उसकी सीमाएं--**(1) पारिस्थितिकी संवेदी जोन का विस्तार मुकन्दरा हिल्स टाइगर रिजर्व की सीमा के चारों ओर शून्य से 1.0 किलोमीटर तक विस्तृत है और पारिस्थितिकी संवेदी जोन का क्षेत्रफल 248.70 वर्ग किलोमीटर है। राज्य सरकार द्वारा पारिस्थितिकी संवेदी जोन का विस्तार शून्य को उचित ठहराया गया है जो कि पारिस्थितिकी संवेदी जोन का शून्य विस्तार मुकन्दरा हिल्स टाइगर रिजर्व के बफर क्षेत्र के साथ पारिस्थितिकी संवेदी जोन सह-समाप्ति के कारण है विभिन्न दिशाओं में पारिस्थितिकी संवेदी जोन का विस्तार है:

दिशा	विस्तार (किलोमीटर में)
उत्तर	1.00
उत्तर-पूर्व	0 से 1.00
पूर्व	0
दक्षिण-पूर्व	0 से 1.00
दक्षिण	0 से 1.00
दक्षिण-पश्चिम	0
पश्चिम	1.00
उत्तर-पश्चिम	1.00

(2) मुकन्दरा हिल्स टाइगर रिज़र्व और इसके पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा का वर्णन **उपाबंध-I** के रूप में संलग्न है।

(3) सीमा विवरण और अक्षांश और देशांतर के साथ पारिस्थितिकी संवेदी जोन के सीमांकन दर्शाते हुए मुकन्दरा हिल्स टाइगर रिज़र्व का मानचित्र **उपाबंध-IIक, उपाबंध-IIख, उपाबंध-IIग, और उपाबंध-IIघ** के रूप में संलग्न है।

(4) मुकन्दरा हिल्स टाइगर रिज़र्व की सीमा और पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भू-निर्देशांकों की सूची **उपाबंध-III** के सारणी **क** और सारणी **ख** में दी गई है।

(5) प्रस्तावित पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा के अंतर्गत आने वाले ग्रामों की सूची मुख्य बिंदुओं के भू-निर्देशांकों के साथ **उपाबंध-IV** के रूप में संलग्न है।

2. पारिस्थितिकी संवेदी जोन के लिए आंचलिक महायोजना.— (1) राज्य सरकार, पारिस्थितिकी संवेदी जोन के प्रयोजन के लिए राजपत्र में अंतिम अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दो वर्ष की अवधि के भीतर, स्थानीय व्यक्तियों के परामर्श से और इस अधिसूचना में दिए गए अनुबंधों का पालन करते हुए आंचलिक महायोजना तैयार करेगी।

(2) राज्य सरकार द्वारा पारिस्थितिकी संवेदी जोन के लिए आंचलिक महायोजना ऐसी रीति जो इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट है तथा सुसंगत केंद्रीय और राज्य विधियों के अनुरूप और केंद्रीय सरकार द्वारा जारी मार्गनिर्देशों, यदि कोई हों, द्वारा तैयार होगी।

(3) आंचलिक महायोजना, पर्यावरणीय और पारिस्थितिकी संबंधी बातों को समाकलित करने के लिए राज्य सरकार के सभी संबद्ध विभागों के परामर्श से तैयार होगी, अर्थात्:--पर्यावरण;

- (i) पर्यावरण;
- (ii) वन और वन्यजीव;
- (iii) कृषि;
- (iv) राजस्व;
- (v) शहरी विकास;
- (vi) पर्यटन;
- (vii) ग्रामीण विकास;
- (viii) सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण;
- (ix) नगरपालिका;
- (x) पंचायती राज; और
- (xi) लोक निर्माण विभाग।

(4) आंचलिक महायोजना अनुमोदित विद्यमान भू-उपयोग, अवसंरचना और क्रियाकलापों पर कोई निर्बंधन अधिरोपित नहीं करेगी जब तक कि इस अधिसूचना में इस प्रकार विनिर्दिष्ट न हो और आंचलिक महायोजना सभी अवसंरचना और क्रियाकलापों में जो अधिक दक्षता और पारिस्थितिकी अनुकूल हों का संवर्धन करेगी।

(5) आंचलिक महायोजना में अनाच्छादित क्षेत्रों के जीर्णोद्धार, विद्यमान जल निकायों के संरक्षण, आवाह क्षेत्रों के प्रबंधन, जल-संभरों के प्रबंधन, भूतल जल के प्रबंधन, मृदा और नमी संरक्षण, स्थानीय समुदायों की आवश्यकताओं तथा पारिस्थितिकी और पर्यावरण से संबंधित ऐसे अन्य पहलुओं, जिन पर ध्यान देना आवश्यक है, के लिए उपबंध होंगे।

(6) आंचलिक महायोजना सभी विद्यमान पूजा स्थलों, ग्रामों और नगरीय बंदोबस्तों, वनों के प्रकार और किस्मों, कृषि क्षेत्रों, ऊपजाऊ भूमि, हरित क्षेत्र जैसे उद्यान और उसी प्रकार के स्थान, उद्यान कृषि क्षेत्र, फलोउद्यान, झीलों और अन्य जल निकायों का विद्यमान और प्रस्तावित भूमि उपयोग विशेषताओं का विवरण देने वाले मानचित्रों सहित अभ्यंकन करेगी।

(7) आंचलिक महायोजना पारिस्थितिकी संवेदी जोन में विकास को विनियमित करेगी और पैराग्राफ 4 में सारणी में सूचीबद्ध प्रतिषिद्ध, विनियमित क्रियाकलापों का पालन करेगी तथा स्थानीय समुदायों की आजीविका सुरक्षा के लिए, पारिस्थितिकी अनुकूल विकास सुनिश्चित करेगी तथा संवर्धित करेगी।

(8) आंचलिक महायोजना क्षेत्रीय विकास योजना की सह-विस्तारी होगी।

(9) इस प्रकार अनुमोदित आंचलिक महायोजना इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुसार मानीटरी के अपने कृत्यों को करने के लिए मानीटरी समिति के लिए एक संदर्भ दस्तावेज होगी।

3. **राज्य सरकार द्वारा किए जाने वाले उपाय.-** राज्य सरकार इस अधिसूचना के उपबंधों को प्रभावी करने के लिए निम्नलिखित उपाय करेगी, अर्थात्:-

(1) **भू उपयोग.-** (क) पारिस्थितिकी-संवेदी जोन में मनोरंजन के लिए चिन्हित वनों, बागवानी क्षेत्रों, कृषि क्षेत्रों, उद्यानों और खुले स्थानों का वृहद वाणिज्यिक या आवासीय परिसरों या औद्योगिक क्रियाकलापों के लिए प्रयोग या संपरिवर्तन नहीं किया जाएगा:

परंतु पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर भाग (क), में विनिर्दिष्ट प्रयोजन से भिन्न प्रयोजन के लिए कृषि और अन्य भूमि का संपरिवर्तन, मानीटरी समिति की सिफारिश पर और सक्षम प्राधिकारी के पूर्व अनुमोदन से क्षेत्रीय नगर योजना अधिनियम तथा यथा लागू केन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अन्य नियमों एवं विनियमों के अधीन तथा इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुसार स्थानीय निवासियों की निम्नलिखित आवासीय जरूरतों को पूरा करने के लिए अनुज्ञात किया जाएगा:-

- (i) विद्यमान सड़कों को चौड़ा करना, उन्हें सुदृढ़ करना और नई सड़कों का संनिर्माण करना;
- (ii) बुनियादी ढांचों और नागरिक सुविधाओं का संनिर्माण और नवीकरण;
- (iii) प्रदूषण उत्पन्न न करने वाले लघु उद्योग;
- (iv) कुटीर उद्योग एवं ग्राम उद्योग; पारिस्थितिकी पर्यटन में सहायक सुविधा भण्डार, स्थानीय सुविधाएं तथा ग्रह वास; और
- (v) पैराग्राफ 4 में उल्लिखित संवर्धित क्रियाकलाप:

परंतु यह भी कि क्षेत्रीय शहरी नियोजन अधिनियम के अधीन सक्षम प्राधिकारी के पूर्व अनुमोदन के बिना तथा राज्य सरकार के अन्य नियमों एवं विनियमों एवं संविधान के अनुच्छेद 244 के उपबंधों तथा तत्समय प्रवृत्त विधि, जिसके अंतर्गत अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 (2007 का 2) भी आता है, का अनुपालन किए बिना वाणिज्यिक या औद्योगिक विकास क्रियाकलापों के लिए जनजातीय भूमि का प्रयोग अनुज्ञात नहीं होगा:

परंतु यह भी कि पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाली भूमि के अभिलेखों में हुई किसी त्रुटि को, मानीटरी समिति के विचार प्राप्त करने के पश्चात्, राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक मामले में एक बार सुधारा जाएगा और उक्त त्रुटि को सुधारने की सूचना केन्द्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को दी जाएगी:

परंतु यह भी कि उपर्युक्त त्रुटि को सुधारने में, इस उप-पैरा में यथा उपबंधित के सिवाय, किसी भी दशा में भू-उपयोग का परिवर्तन शामिल नहीं होगा।

(ख) अनुप्रयुक्त या अनुत्पादक कृषि क्षेत्रों में पुनःवनीकरण तथा पर्यावासों की पुनः बहाली के प्रयास किए जाएंगे।

(2) **प्राकृतिक जल स्रोत.-** आंचलिक महायोजना में सभी प्राकृतिक जल स्रोतों के आवाह क्षेत्रों की पहचान की जाएगी और आंचलिक महायोजना में उनके संरक्षण और बहाली की योजना सम्मिलित की जाएगी और राज्य सरकार

द्वारा जल आवाह प्रबंधन योजना इस रीति से बनाई जाएगी कि उसमें आवाह क्षेत्रों में विकास क्रियाकलापों को प्रतिषिद्ध और निर्बंधित किया गया हो।

(3) **पर्यटन या पारिस्थितिकी पर्यटन.**— (क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में सभी नए पारिस्थितिकी पर्यटन क्रियाकलाप या विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों का विस्तार पारिस्थितिकी संवेदी जोन सम्बंधी पर्यटन महायोजना के अनुसार अनुज्ञात होगा।

(ख) पारिस्थितिकी पर्यटन महायोजना राज्य सरकार के पर्यावरण और वन विभाग के परामर्श से पर्यटन विभाग द्वारा बनायी जाएगी।

(ग) पर्यटन महायोजना आंचलिक महायोजना का घटक होगी।

(घ) पर्यटन महायोजना पारिस्थितिकी संवेदी जोन की वहन क्षमता के आधार पर तैयार की जायेगी।

(ङ) पारिस्थितिकी पर्यटन संबंधी क्रियाकलाप निम्नानुसार विनियमित किए जाएंगे, अर्थात्:-

(i) संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक, इनमें जो भी अधिक निकट हो किसी होटल या रिजॉर्ट का नया संनिर्माण अनुज्ञात नहीं किया जाएगा:

तथापि, पारिस्थितिकी-पर्यटन सुविधाओं के लिए संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर की दूरी से परे पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक पूर्व परिभाषित और अभीहित क्षेत्रों में पर्यटन महायोजना के अनुसार, नए होटलों और रिजॉर्ट की स्थापना अनुज्ञात होगी;

(ii) पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अन्दर सभी नए पर्यटन क्रियाकलापों या विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों का विस्तार, केन्द्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देशों तथा पारिस्थितिकी पर्यटन, पारिस्थितिकी शिक्षा और पारिस्थितिकी विकास पर बल देने वाले राष्ट्रीय व्याघ्र संरक्षण प्राधिकरण द्वारा जारी पारिस्थितिकी पर्यटन संबंधी दिशानिर्देशों के अनुसार (समय समय पर यथा संशोधित) होगा;

(iii) आंचलिक महायोजना का अनुमोदन होने तक, पर्यटन के विकास और विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों के विस्तार को वास्तविक स्थल-विशिष्ट संवीक्षा तथा मानीटरी समिति की सिफारिश के आधार पर संबंधित विनियामक प्राधिकरणों द्वारा अनुज्ञात किया जाएगा और पारिस्थितिकी संवेदी जोन में किसी नए होटल/रिसोर्ट या वाणिज्यिक प्रतिष्ठान का संनिर्माण अनुज्ञात नहीं होगा।

(4) **प्राकृतिक विरासत.**— पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले बहुमूल्य प्राकृतिक विरासत के सभी स्थलों जैसे कि जीन पूल रिजर्व क्षेत्र, शैल संरचना, जल प्रपात, झरने, दर्रे, उपवन, गुफाएं, स्थल, वनपथ, रोहण मार्ग, उत्प्रपात आदि की पहचान की जाएगी और उनकी सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए आंचलिक महायोजना के भाग के रूप में एक विरासत संरक्षण योजना बनायी जाएगी।

(5) **मानव निर्मित विरासत स्थल.**— पारिस्थितिकी संवेदी जोन में भवनों, संरचनाओं, कलाकृति-क्षेत्रों तथा ऐतिहासिक, स्थापत्य संबधी, सौंदर्यात्मक और सांस्कृतिक महत्व के क्षेत्रों की पहचान की जाएगी और उनके संरक्षण के लिए आंचलिक महायोजना के भाग के रूप में एक विरासत संरक्षण योजना बनायी जाएगी।

(6) **ध्वनि प्रदूषण.**— पर्यावरण अधिनियम के अधीन ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 में नियत उपबंधों के अनुसरण में पारिस्थितिकी-संवेदी जोन में ध्वनि प्रदूषण के नियंत्रण के लिए विनियमों को कार्यान्वित करेगा।

(7) **वायु प्रदूषण.**— पारिस्थितिकी-संवेदी जोन में वायु प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण, वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 (1981 का 14) के उपबंधों और उसके अधीन बनाए गए नियमों और उनमें किए गए संशोधनों के अनुसार किया जाएगा।

(8) **बहिष्काव का निस्सारण.**- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में उपचारित बहिष्काव का निस्सारण साधारण मानकों के अन्तर्गत पर्यावरण अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों के अधीन आने वाले पर्यावरणीय प्रदूषण के निस्सारण के लिए साधारण मानकों या राज्य सरकार द्वारा नियत मानकों जो भी अधिक कठोर हो के उपबंधों के अनुसार होगा।

(9) **ठोस अपशिष्ट.**- ठोस अपशिष्ट का निपटान एवं प्रबन्धन निम्नानुसार किया जाएगा:-

(क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ठोस अपशिष्ट का निपटान और प्रबंधन भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं. का.आ. 1357(अ), दिनांक 8 अप्रैल, 2016 के तहत प्रकाशित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा; अकार्बनिक पदार्थों का निपटान पारिस्थितिकी संवेदी जोन से बाहर चिन्हित किए गए स्थानों पर पर्यावरण-अनुकूल रीति से किया जाएगा।

(ख) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में मान्य प्रौद्योगिकियों (ईएसएम) का प्रयोग करते हुए विद्यमान नियमों और विनियमों के अनुरूप ठोस अपशिष्ट का सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल प्रबंधन अनुज्ञात किया जायेगा।

(10) **जैव चिकित्सा अपशिष्ट.**- जैव चिकित्सा अपशिष्ट का प्रबंधन निम्नानुसार किया जाएगा:-

(क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में जैव चिकित्सा अपशिष्ट का निपटान भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं. सा.का.नि. 343 (अ), तारीख 28 मार्च, 2016 के तहत प्रकाशित जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा;

(ख) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में मान्य प्रौद्योगिकियों का प्रयोग करते हुए विद्यमान नियमों और विनियमों के अनुरूप ठोस अपशिष्ट का सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल प्रबंधन अनुज्ञात किया जायेगा।

(11) **प्लास्टिक अपशिष्ट का प्रबंधन.**- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में प्लास्टिक अपशिष्ट का प्रबंधन, भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं. सा.का.नि. 340(अ), तारीख 18 मार्च, 2016 के तहत प्रकाशित प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(12) **निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट का प्रबंधन.**- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट का प्रबंधन, भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं.सा.का.नि. 317(अ), तारीख 29 मार्च, 2016 के तहत प्रकाशित निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(13) **ई-अपशिष्ट.**- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ई-अपशिष्ट का प्रबंधन, भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा प्रकाशित तथा समय-समय पर यथा संशोधित ई-अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(14) **सड़क-यातायात.**- सड़क-यातायात को पर्यावास-अनुकूल तरीके से विनियमित किया जाएगा और इस संबंध में आंचलिक महायोजना में विशेष उपबंध शामिल किए जाएंगे। आंचलिक महायोजना के तैयार होने और राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदित होने तक, मानीटरी समिति प्रासंगिक अधिनियमों और उनके तहत बनाए गए नियमों एवं विनियमों के अनुसार सड़क-यातायात के अनुपालन की मानीटरी करेगी।

(15) **वाहन जनित प्रदूषण.**- वाहन जनित प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण लागू विधियों के अनुसार किया जाएगा। स्वच्छतर ईंधन के प्रयोग के प्रयास किए जाएंगे।

(16) **औद्योगिक ईकाइयां.**- (i) सरकारी राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख को या उसके बाद पारिस्थितिकी संवेदी जोन में किसी नए प्रदूषणकारी उद्योग की स्थापना अनुज्ञात नहीं होगी।

(ii) जब तक इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट न हो, पारिस्थितिकी संवेदी जोन में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा फरवरी, 2016 में जारी दिशानिर्देशों में किए गए उद्योगों के वर्गीकरण के अनुसार केवल गैर-प्रदूषणकारी उद्योगों की स्थापना अनुज्ञात होगी और इसके अतिरिक्त, गैर-प्रदूषणकारी कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा।

(17) **हिल्स ढलानों का संरक्षण:** हिल्स ढलानों का संरक्षण निम्नानुसार किया जाएगा:-

(क) आंचलिक महायोजना में हिल्स ढलानों के उन क्षेत्रों को दर्शाया जाएगा जिनमें किसी भी संनिर्माण की अनुज्ञा नहीं होगी;

(ख) जिन ढलानों या विद्यमान खड़ी हिल्स ढलानों में अत्यधिक भू-क्षरण होता है उनमें किसी भी संनिर्माण की अनुज्ञा नहीं होगी।

4. पारिस्थितिकी संवेदी जोन में प्रतिषिद्ध या विनियमित किए जाने वाले क्रियाकलापों की सूची- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में सभी क्रियाकलाप, पर्यावरण अधिनियम के उपबंधों और तटीय विनियमन जोन अधिसूचना, 2011 एवं पर्यावरणीय प्रभाव आकलन अधिसूचना, 2006 सहित उसके अधीन बने नियमों और वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 (1980 का 69), भारतीय वन अधिनियम, 1927 (1927 का 16), वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (1972 का 53) सहित अन्य लागू नियमों तथा उनमें किए गए संशोधनों के अनुसार शासित होंगे और नीचे दी गई सारणी में विनिर्दिष्ट रीति से विनियमित होंगे, अर्थात्:-

सारणी

क्र. सं. (1)	क्रियाकलाप (2)	टीका-टिप्पणी (3)
क. प्रतिषिद्ध क्रियाकलाप		
1.	वाणिज्यिक खनन, पत्थर उत्खनन और कृशिंग इकाईयां।	(क) सभी नए और विद्यमान खनन (लघु और वृहत खनिज), पत्थर उत्खनन और तोड़ने की इकाईयों को व्यक्तिगत उपभोग के लिए घरों के सन्ननिर्माण या मरम्मत के लिए और भूमि को खोदने या घरों या अन्य क्रियाकलापों के लिए देसी टाइल्स या ईंटों के निर्माण के प्रतिनिर्देश से स्थानीय निवासियों के वास्तविक घरेलू आवश्यकताओं के सिवाय प्रतिषिद्ध किया जाएगा; (ख) खनन संक्रियाएं, माननीय उच्चतम न्यायालय की रिट याचिका (सिविल) सं. 1995 का 202 टी.एन. गोदाबर्मन थिरूमूलपाद बनाम भारत सरकार के मामले में आदेश तारीख 4 अगस्त, 2006 और रिट याचिका (सी) सं. 2012 का 435 गोवा फाउंडेशन बनाम भारत सरकार के मामले में तारीख 21 अप्रैल, 2014 के आदेश के अनुसरण में की जाएंगी।
2.	प्रदूषण (जल, वायु, मृदा, ध्वनि आदि) उत्पन्न करने वाले उद्योगों की स्थापना।	पारिस्थितिकी संवेदी जोन में कोई नया उद्योग लगाने और वर्तमान प्रदूषणकारी उद्योगों का विस्तार करने की अनुमति नहीं होगी: जब तक कि इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट न हो, पारिस्थितिकी संवेदी जोन में फरवरी, 2016 में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी दिशानिर्देशों में किए गए उद्योगों के वर्गीकरण के

क्र. सं. (1)	क्रियाकलाप (2)	टीका-टिप्पणी (3)
		अनुसार केवल गैर- प्रदूषणकारी उद्योगों की स्थापना होगी। इसके अतिरिक्त, गैर-प्रदूषणकारी कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहन दिया जाएगा।
3.	जल विद्युत परियोजनाओं की स्थापना।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे।
4.	किसी परिसंकटमय पदार्थ का उपयोग या उत्पादन या प्रसंकरण।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे।
5.	प्राकृतिक जल निकायों या भूमि क्षेत्र में अनुपचारित बहिस्त्रावों का निस्सारण।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे।
6.	आरा मीलों की स्थापना।	पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर नई और विद्यमान आरा मीलों का विस्तार अनुज्ञात नहीं होगा।
7.	ईट भट्टों की स्थापना करना।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे।
8.	जलावन लकड़ी का वाणिज्यिक उपयोग।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे।
ख. विनियमित क्रियाकलाप		
9.	होटलों और रिसोर्टों की वाणिज्यिक स्थापना।	पारिस्थितिकी पर्यटन क्रियाकलापों संबंधी लघु अस्थायी संरचनाओं के लिए संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन के विस्तार तक, इनमें जो भी निकट है, नए वाणिज्यिक होटल और रिसोर्ट अनुज्ञात होंगे, अन्यथा नहीं: परंतु, संरक्षित क्षेत्र की सीमा से 1 किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन के विस्तार तक, जो भी निकट हो, किसी भी नए वाणिज्यिक होटल एवं रिसोर्टों को ही अनुज्ञात किया जाएगा अन्यथा नहीं।
10.	संनिर्माण क्रियाकलाप।	(क) संरक्षित क्षेत्र की सीमा से 1 किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक, इनमें जो भी अधिक निकट हो, किसी भी नये वाणिज्यिक संनिर्माण की अनुज्ञा नहीं होगी: परंतु, स्थानीय लोगों को अपनी आवास सम्बन्धी निम्नलिखित आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, पैरा 3 के उप-पैरा (1) में सूचीबद्ध क्रियाकलापों सहित अपने प्रयोग के लिए, अपनी भूमि में भवन उप-विधियों के अनुसार, संनिर्माण करने की अनुज्ञा होगी। परन्तु गैर-प्रदूषणकारी लघु उद्योगों से संबंधित संनिर्माण क्रियाकलाप लागू नियमों और विनियमों, यदि कोई हों, के अनुसार सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति से विनियमित किए

क्र. सं. (1)	क्रियाकलाप (2)	टीका-टिप्पणी (3)
		जाएंगे और वे न्यूनतम होंगे। (ख) एक किलोमीटर क्षेत्र से आगे ये आंचलिक महायोजना के अनुसार विनियमित होंगे।
11.	प्रदूषण उत्पन्न न करने वाले लघु उद्योग।	फरवरी, 2016 में केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी उद्योगों में वर्गीकरण के अनुसार गैर-प्रदूषणकारी उद्योग और अपरिसंकट में, लघु और सेवा उद्योग, कृषि, पुष्प कृषि, उद्यान कृषि या पारिस्थितिकी संवेदी जोन से देशी सामग्री से उत्पादों को उत्पन्न करने वाले कृषि आधारित उद्योग सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुज्ञात होंगे।
12.	वृक्षों की कटाई।	(क) राज्य सरकार में सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना वन, सरकारी या राजस्व या निजी भूमि पर वृक्षों की कोई कटाई नहीं होगी। (ख) वृक्षों की कटाई संबंधित केंद्रीय या राज्य अधिनियम या उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंध के अनुसार विनियमित होगी।
13.	वन उत्पादों या गैर काष्ठ वन उत्पादों का संग्रहण।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
14.	विद्युत और दूरसंचार टावरों का परिनिर्माण और केबल बिछाना और अन्य बुनियादी ढांचे।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे (भूमिगत केबल बिछाए जाने को बढ़ावा दिया जाएगा)।
15.	नागरिक सुख सुविधाओं सहित बुनियादी ढांचे।	लागू विधियों, नियमों और विनियमों तथा मौजूदा दिशानिर्देशों के अनुसार उपशमन उपायों के साथ किये जायेंगे।
16.	विद्यमान सड़कों को चौड़ा करना और उन्हें सुदृढ़ करना और नई सड़कों का सन्निर्माण।	लागू विधियों, नियमों और विनियमों तथा मौजूदा दिशानिर्देशों के अनुसार उपशमन उपायों के साथ किये जायेंगे।
17.	पर्यटन से संबंधित अन्य क्रियाकलाप करना जैसे गर्म वायु गुब्बारे, हेलीकाप्टर, ड्रोन, माइक्रोलाइटस आदि द्वारा पारिस्थितिकी संवेदी जोन क्षेत्र के ऊपर से उड़ना।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
18.	हिल्स ढालों और नदी तटों का संरक्षण।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
19.	रात्रि में यानीय यातायात का संचलन।	लागू विधियों के अधीन वाणिज्यिक प्रयोजन के लिए विनियमित होंगे।
20.	ध्वनि प्रदूषण।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
21.	स्थानीय समुदायों द्वारा चल रही कृषि और बागवानी प्रथाओं के साथ डेयरियों, दुग्ध उत्पादन जल कृषि और	स्थानीय लोगों के उपयोग के लिए लागू विधियों के अधीन अनुज्ञात होंगे।

क्र. सं. (1)	क्रियाकलाप (2)	टीका-टिप्पणी (3)
	मत्स्य पालन।	
22.	फर्मों, कारपोरेट, कंपनियों द्वारा बड़े पैमाने पर वाणिज्यिक पशुधन संपदा और कुक्कुट फार्मों की स्थापना।	स्थानीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लागू विधियों के अनुसार विनियमित) अन्यथा उपबंधित के सिवायहोग (ा।
23.	प्राकृतिक जल निकायों या भू क्षेत्र में उपचारित अपशिष्ट जल/बहिर्वाह का निस्सारण।	जल निकायों में उपचारित अपशिष्ट जल/बहिर्वाह के निस्सारण से बचा जाएगा। उपचारित अपशिष्ट जल के पुनर्चक्रण और पुनःउपयोग के प्रयास किए जाएंगे अन्यथा उपचारित अपशिष्ट जल/बहिर्वाह का निस्सारण लागू विधियों के अनुसार विनियमित किया जाएगा।
24.	सतह और भूजल का वाणिज्यिक निष्कर्षण।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
25.	ठोस अपशिष्ट प्रबंधन।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
26.	विदेशी प्रजातियों को लाना।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
27.	पारिस्थितिकी-पर्यटन।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
28.	पोलिथिन बैगों का प्रयोग।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
29.	वाणिज्यिक साइनबोर्ड और होर्डिंग।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
ग. संवर्धित क्रियाकलाप		
30.	वर्षा जल संचयन।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
31.	जैविक खेती।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
32.	सभी गतिविधियों के लिए हरित प्रौद्योगिकी को ग्रहण करना।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
33.	कुटीर उद्योगों जिसके अंतर्गत ग्रामीण कारीगर भी हैं।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
34.	नवीकरणीय ऊर्जा और ईंधन का उपयोग।	बायोगैस, सौर प्रकाश इत्यादि को बढ़ावा दिया जाना है।
35.	कृषि वानिकी।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
36.	बागवानी और वनौषधियों का रोपण।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
37.	पारिस्थितिकी अनुकूल परिवहन का उपयोग।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
38.	कौशल विकास।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
39.	निम्नीकृत भूमि/वन/ वास की बहाली।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
40.	पर्यावरणीय जागरूकता।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।

5. पारिस्थितिकी संवेदी जोन अधिसूचना की मानीटरी के लिए मानीटरी समिति.- केंद्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की धारा 3 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस अधिसूचना के प्रावधानों की कारगर निगरानी के लिए मानीटरी समिति गठित करती है, जो निम्नलिखित से मिलकर बनेगी, अर्थात् :-

क्र.सं .	मानीटरी समिति का गठन	पद
(i)	जिला कलेक्टर, कोटा	अध्यक्षपदेन ;;
(ii)	उप प्रभागीय अधिकारी, कोटा	सदस्य;
(iii)	उप प्रभागीय अधिकारी, रामगंजमंडी	सदस्य;
(iv)	उप प्रभागीय अधिकारी, झालावर	सदस्य;
(v)	उप प्रभागीय अधिकारी, बूंदी	सदस्य;
(vi)	उप प्रभागीय अधिकारी, रावतभाटा	सदस्य;
(vii)	माननीय वन्यजीव वार्डन, कोटा	सदस्य;
(viii)	राज्य सरकार द्वारा नामित किए जाने वाले वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में काम करने वाले गैर-सरकारी संगठन का प्रतिनिधि	सदस्य;
(ix)	राज्य सरकार द्वारा नामित जैव विविधता में एक विशेषज्ञ	सदस्य;
(x)	राज्य के प्रतिष्ठित संस्थान या विश्वविद्यालय से पारिस्थितिकी में एक विशेषज्ञ	सदस्य;
(xi)	प्रधान पंचायत समिति लाडपुरा, भैसरोरगढ़, झालरापाटन, तालेरा, खेराबाद (संबंधित क्षेत्र के लिए)	सदस्य;
(xii)	उप वन संरक्षक, मुकन्दरा हिल्स टाइगर रिजर्व	सदस्य-सचिव।

6. विचारार्थ विषय.- (1) मानीटरी समिति इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुपालन की मानीटरी करेगी।

- (2) मानीटरी समिति का कार्यकाल तीन वर्ष तक या राज्य सरकार द्वारा नई समिति का पुनर्गठन किए जाने तक होगा और इसके बाद मानीटरी समिति राज्य सरकार द्वारा गठित की जाएगी।
- (3) पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले और भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 1533(अ) तारीख 14 सितंबर, 2006 की अनुसूची में शामिल क्रियाकलापों की इस अधिसूचना के पैराग्राफ 4 के अधीन सारणी में यथा विनिर्दिष्ट प्रतिषिद्ध क्रियाकलापों को छोड़कर वास्तविक स्थल-विशिष्ट स्थितियों के आधार पर मानीटरी समिति द्वारा संवीक्षा की जाएगी और उन्हें उक्त अधिसूचना के उपबंधों के अधीन पूर्व पर्यावरण अनापत्ति के लिए केन्द्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को भेजा जाएगा।
- (4) इस अधिसूचना के पैराग्राफ 4 के अधीन सारणी में यथा विनिर्दिष्ट प्रतिषिद्ध क्रियाकलापों को छोड़कर, भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 1533(अ) तारीख 14 सितंबर, 2006 की अनुसूची में शामिल न किए गए परंतु पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले क्रियाकलापों की वास्तविक स्थल-विशिष्ट दशाओं के आधार पर मानीटरी समिति द्वारा संवीक्षा की जाएगी और उन्हें संबंधित विनियामक प्राधिकरणों को भेजा जाएगा।
- (5) मानीटरी समिति का सदस्य-सचिव या संबंधित उपायुक्त ऐसे व्यक्ति जो इस अधिसूचना के किसी उपबंध का उल्लंघन करता है, के विरुद्ध, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 19 के अधीन शिकायत दर्ज करने के लिए सक्षम होगा।

- (6) मानीटरी समिति संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों या विशेषज्ञों, औद्योगिक संघों के प्रतिनिधियों या संबंधित पक्षों को, प्रत्येक मामले में आवश्यकता के अनुसार, अपने विचार-विमर्श में सहायता के लिए आमंत्रित कर सकेगी।
- (7) मानीटरी समिति प्रत्येक वर्ष 31 मार्च की स्थिति के अनुसार अपनी वार्षिक कार्रवाई रिपोर्ट राज्य के मुख्य वन्यजीव बोर्ड को, **उपाबंध -V** में दिए गए प्रपत्र के अनुसार जून तक 30 उस वर्ष की, प्रस्तुत करेगी।
- (8) पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय में केन्द्रीय सरकार मानीटरी समिति को उसके कृत्यों के प्रभावी निर्वहन के लिए ऐसे निदेश दे सकेगी जो वह उचित समझे।
- 7.** इस अधिसूचना के उपबंधों को प्रभावी बनाने के लिए केन्द्रीय सरकार और राज्य सरकार यदि कोई, उपाय अतिरिक्त, कर सविनिर्दिष्ट, होंगे।
- 8.** इस अधिसूचना के उपबंध भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालय या राष्ट्रीय हरित अधिकरण द्वारा पारित किए गए या पारित किए जाने वाले आदेश, यदि कोई हो, के अधीन होंगे।

[फा. सं. 25/01/2020-ईएसजेड]

डॉ. सतीश चन्द्र गढकोटी . वैज्ञानिक 'जी'

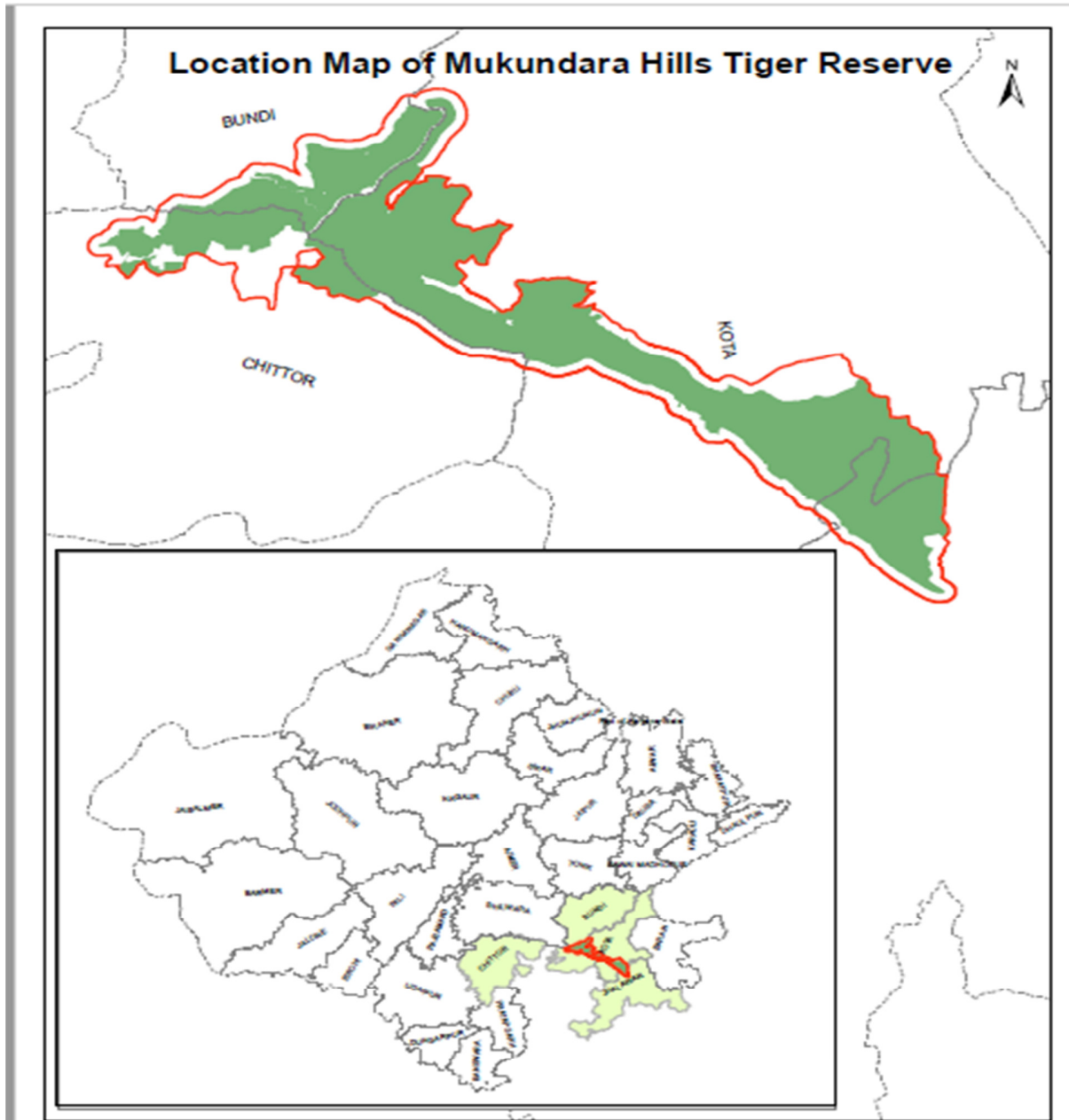
उपाबंध-1**राजस्थान राज्य में मुकन्दरा हिल्स टाइगर रिज़र्व और इसके पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा का वर्णन**

उत्तर	<ul style="list-style-type: none"> • बरद कालाजी किशोर सागर खण्ड सीमा के वन खण्ड की उत्तरी बाहरी सीमा, कनवास श्रेणी कार्यालय है इसके बाद दारा कनवास सड़क के कनवास त्रिजंक्शन है। • दोलिया वन खण्ड की कम्पार्टमेंट संख्या 57 के टाइगर रिज़र्व के कोर की सीमा के साथ 1 किलोमीटर की चौड़ाई में कनवास त्रिजंक्शन से जाती है। • दोलिया खण्ड के कम्पार्टमेंट संख्या 57 की बाहरी सीमा से कम्पार्टमेंट संख्या 58, 59, 51, 37 , 35, 33, 32, 31, 43, 48 एवं 46 की बाहरी सीमा तक, जिसमें टाइगर रिज़र्व की बफर सीमा में कम्पार्टमेंट संख्या 31 से 35, 37 से 43, 46 से 51, 57 से 60 और 69 शामिल है। • कम्पार्टमेंट संख्या 46 से ग्राम चंद बौरी की बाहरी सीमा से एक किलोमीटर की चौड़ाई में, जो कि टाइगर रिज़र्व का कोर क्षेत्र है। • 34, 30, 29, 28, 16, 15, 13, 12, 17, 18, 21 की बाहरी सीमा के साथ फूटा वन खण्ड की कम्पार्टमेंट संख्या 7, 12-22, 24-31 शामिल है जो कि टाइगर रिज़र्व का बफर क्षेत्र है। • फूटा वन खण्ड के कम्पार्टमेंट संख्या 21 की बाहरी सीमा से रदी दंड वन खण्ड के कम्पार्टमेंट संख्या 10, 15, 12, 11, 8, 7, 1 की बाहरी सीमा में शामिल कम्पार्टमेंट संख्या 2, 3, 4, 5, 6, 9, 13, 14, 16-22, तक जो कि 100 मीटर की चौड़ाई में चंद बौरी वन खण्ड से बोरावास वन खण्ड के कम्पार्टमेंट संख्या 1 के बोरावास ग्राम के वास से बोरावास ग्राम तक टाइगर रिज़र्व का बफर क्षेत्र है जो कि टाइगर रिज़र्व का कोर क्षेत्र है। • लोहडुंगरी वन खण्ड की बाहरी सीमा, जाती है जो कि कोटा सड़क से गेपरनाथ नाला के साथ टाइगर रिज़र्व का बफर क्षेत्र है के साथ जो कि टाइगर रिज़र्व के कोर और बफर क्षेत्र की सीमा का भाग है। • गरदिया महादेव के सामने से गेपरनाथ नाला तक 1 किलोमीटर की चौड़ाई में क्षेत्र, जो कि टाइगर रिज़र्व का कोर क्षेत्र है। • गरदिया महादेव में चंबल के सामने के तट से 1 किलोमीटर की चौड़ाई में जो कि अम्बारानी और गुदा राजपुरा वन खण्ड के राष्ट्रीय चम्बल घड़ियाल अभयारण्य की सीमा भी है जो कि भुंजर (नौसेरा) घाटा के टाइगर रिज़र्व की सीमा है।
पूर्व	<ul style="list-style-type: none"> • मशलपुरा-बी वन खण्ड की कम्पार्टमेंट संख्या 57 एवं 56 की बाहरी सीमा के साथ कलीसिंध नदी के साथ अहु और कलीसिंध के जंक्शन बिंदु से एक किलोमीटर की चौड़ाई में जो कि टाइगर रिज़र्व के कोर क्षेत्र के अंतर्गत आती है। • राजपुरा ग्राम के राजस्व क्षेत्र, कलीसिंध नदी की बाहरी सीमा और कम्पार्टमेंट संख्या 41, 40, 39, 31, 30, 29, 12, 11, 10, 9, 8, 4, 2, 1 की बाहरी सीमा सहित जो कि मशलपुरा-बी वन खण्ड की बाहरी सीमा भी है और मशलपुरा-ए की कम्पार्टमेंट संख्या 1 की बाहरी सीमा के टाइगर रिज़र्व का बफर क्षेत्र है।

दक्षिण	<ul style="list-style-type: none"> • ब्राह्मणी नदी से जो जवाहर सागर अभयारण्य की सीमा बनाती है से और दूसरी पर भैंसरोदगढ़ अभयारण्य के कारण 0 किलोमीटर की चौड़ाई में राणा प्रताप सागर बांध के चंबल नदी के जंक्शन के टाइगर रिज़र्व तक । • कैनाल से रावत भाटा बैरियर चौराहा से सड़क से बोरावास तक राणा प्रताप सागर बांध के साथ सड़क समानान्तर से 0 किलोमीटर की चौड़ाई में बदोली ग्राम तक जो कि जवाहर सागर अभयारण्य की सीमा है। • बोरावास से कनिया तालाब वन खण्ड की सीमा के साथ सड़क के दाए भाग से बदोली ग्राम से 1 किलोमीटर की चौड़ाई में । • कनिया तालाब के कम्पार्टमेंट संख्या 1 एवं 2 सहित कोर क्षेत्र के साथ 1 किलोमीटर की चौड़ाई में। • कनिया तालाब के कम्पार्टमेंट संख्या 5, 18, 17, 16, 15, 13, 10, 9 एवं 8 की बाहरी सीमा से जो कि मुकन्दरा हिल्स टाइगर रिज़र्व का बफर क्षेत्र बनाती है। • काला कोट वन खण्ड की सीमा से बुर्जवालीचौकी वन खण्ड की बाहरी सीमा के साथ 1 किलोमीटर की चौड़ाई में जो कि टाइगर रिज़र्व के कोर क्षेत्र की सीमा और कोटा एवं चित्तौड़गढ़ के बीच जिला सीमा भी है। • बुर्जवालीचौकी वन खण्ड से 1 किलोमीटर की चौड़ाई में घटोली वन खण्ड की बाहरी सीमा तक, मनोहरपुरा वन खण्ड से अमझर-ए वन खण्ड से तक। • अमझर नदी से कोटा-झालावर सड़क सहित अमझर-बी की बाहरी सीमा से 1 किलोमीटर की चौड़ाई में । • खीमच-बी की बाहरी सीमा और मशलपुरा-बी की बाहरी सीमा के साथ 1 किलोमीटर की चौड़ाई में जो कि टाइगर रिज़र्व का कोर क्षेत्र और अहु और कलीसिंध नदी के जंक्शन से अहु नदी के दर्राह अभयारण्य की सीमा है।
पश्चिम	<ul style="list-style-type: none"> • भुंजर (नौसेरा) घाटा से भुंजर खुर्द ग्राम लोतियाना तक 1 किलोमीटर की चौड़ाई में जो कि टाइगर रिज़र्व की सीमा है। • लोतियाना ग्राम से ब्राह्मणी नदी तक 0 किलोमीटर की चौड़ाई में जो कि टाइगर रिज़र्व का बफर क्षेत्र है।

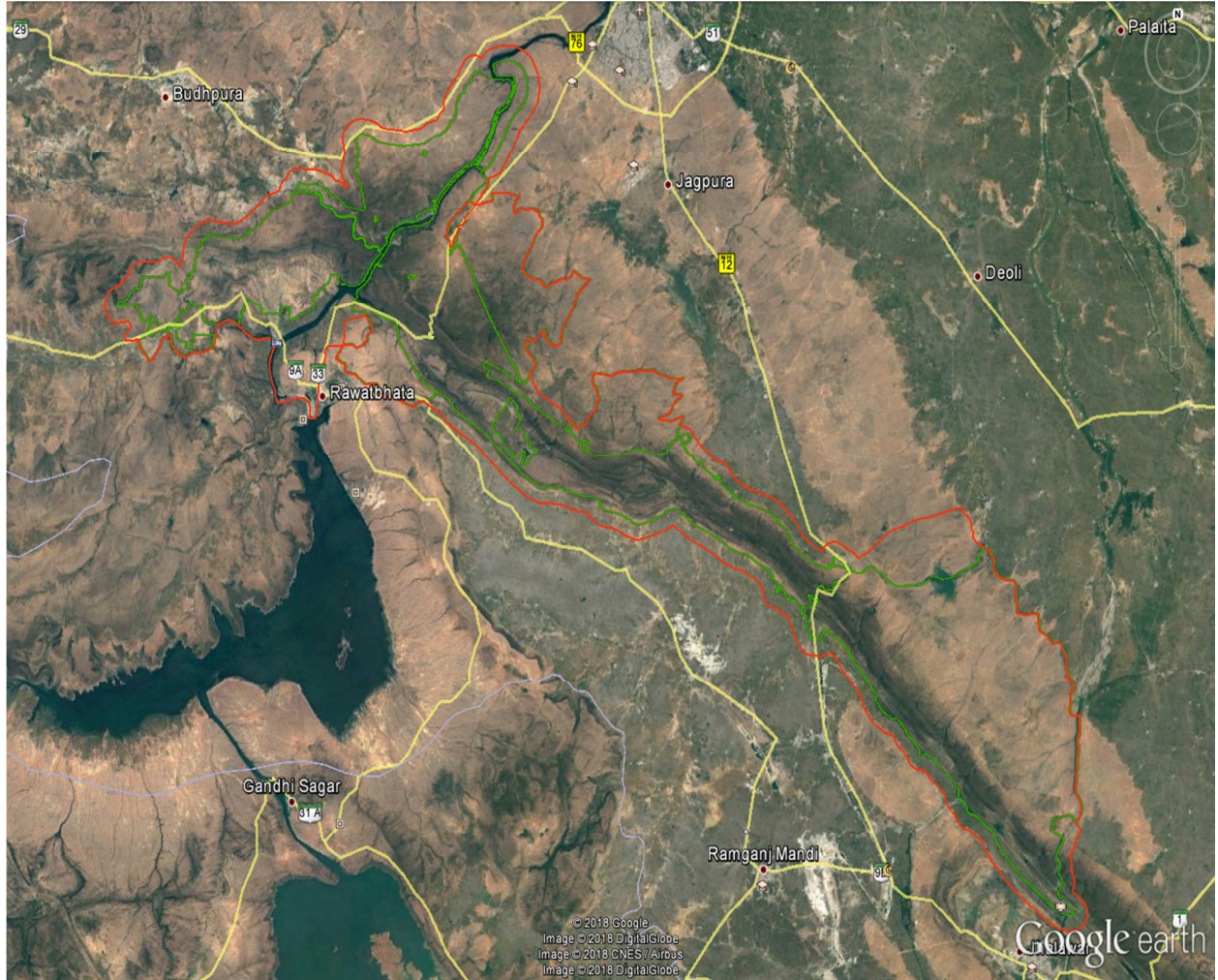
उपाबंध-11क

मुख्य अवस्थानों के अक्षांश और देशांतर के साथ मुकुन्दरा हिल्स टाइगर रिज़र्व के पारिस्थितिकी संवेदी जोन का अवस्थान मानचित्र



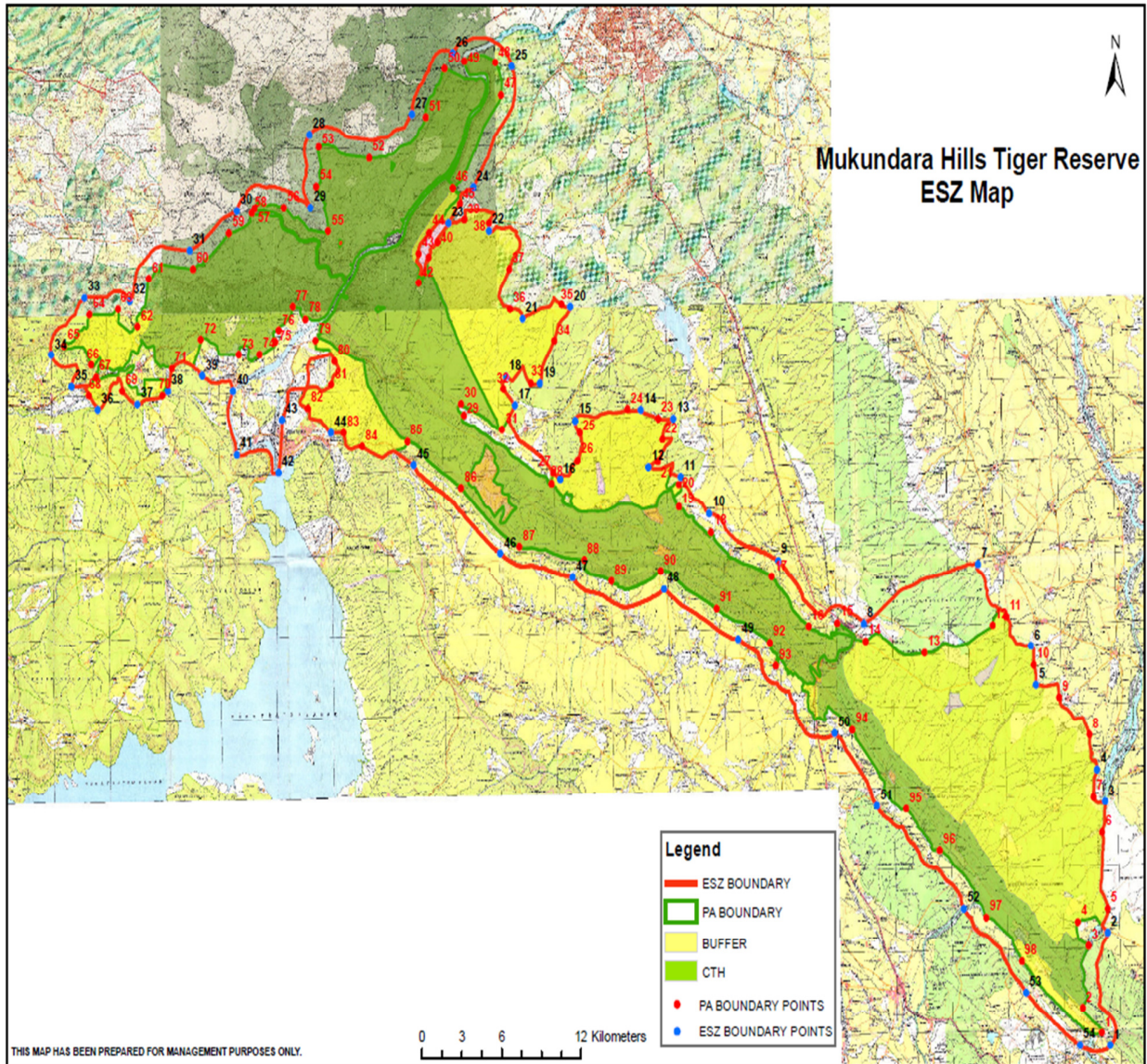
उपाबंध-11ख

मुख्य अवस्थानों के अक्षांश और देशांतर के साथ मुकुन्दरा हिल्स टाइगर रिज़र्व के पारिस्थितिकी संवेदी जोन का गूगल मानचित्र



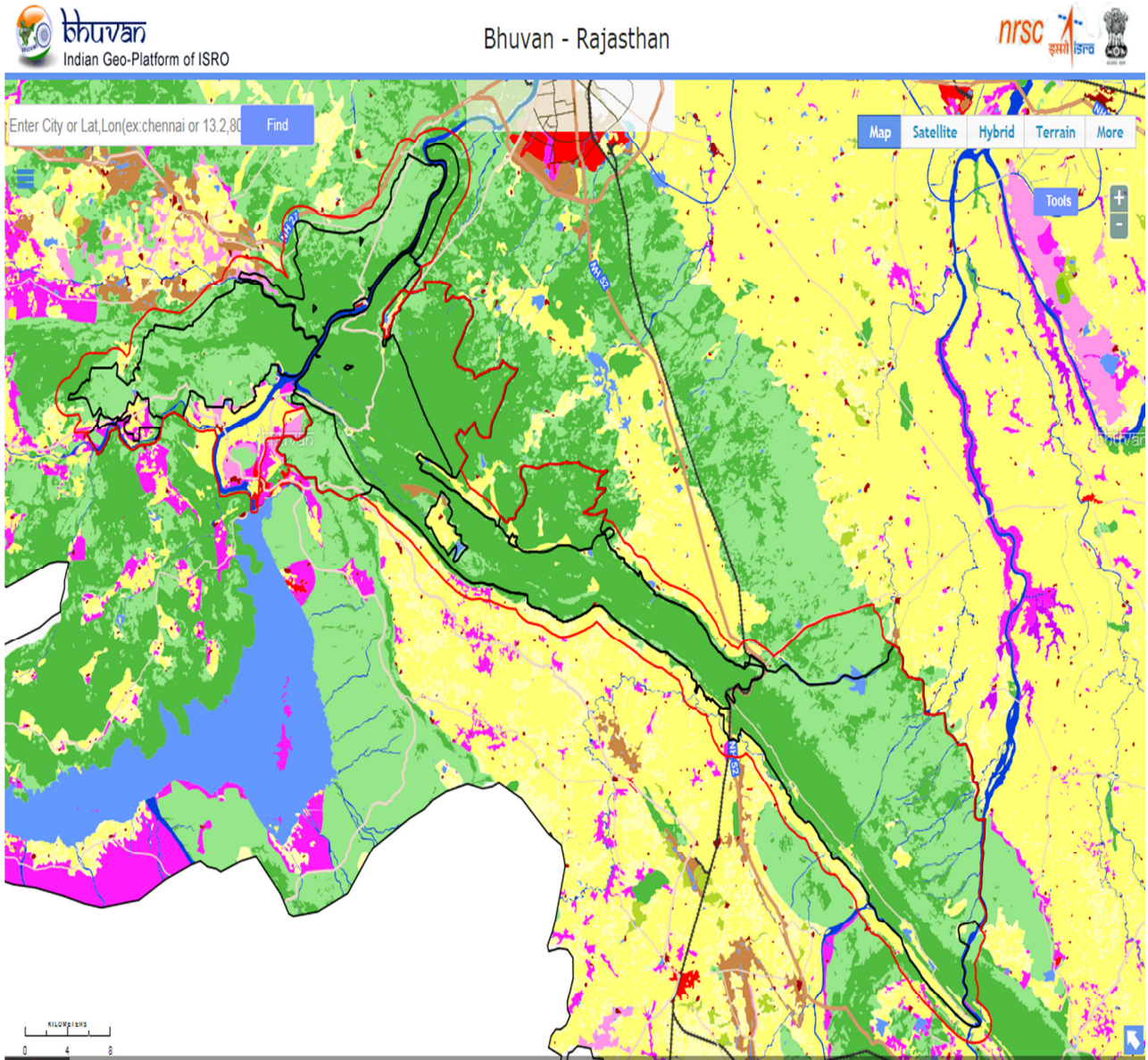
उपाबंध-11ग

भारतीय सर्वेक्षण (एस ओ आई) टोपोशीट पर मुख्य अवस्थानों के अक्षांश और देशांतर के साथ मुकुन्दरा हिल्स टाइगर रिज़र्व के पारिस्थितिकी संवेदी जोन का मानचित्र



उपाबंध-IIघ

मुख्य अवस्थानों के अक्षांश और देशांतर के साथ मुकन्दरा हिल्स टाइगर रिज़र्व के पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भूमि उपयोग को दर्शाने वाला मानचित्र



उपाबंध-III

सारणी क: मुकन्दरा हिल्स टाइगर रिज़र्व के मुख्य अवस्थानों के भूनिर्देशांक-

क्र. सं.	देशांतर	अक्षांश
1	76° 11' 37.718" पू	24° 37' 18.675" उ
2	76° 10' 48.130" पू	24° 38' 6.693" उ
3	76° 11' 6.840" पू	24° 40' 1.207" उ
4	76° 10' 38.654" पू	24° 40' 45.409" उ
5	76° 11' 59.415" पू	24° 41' 8.138" उ
6	76° 11' 24.910" पू	24° 44' 36.852" उ
7	76° 11' 16.531" पू	24° 46' 31.173" उ
8	76° 9' 56.269" पू	24° 47' 40.672" उ
9	76° 8' 48.810" पू	24° 48' 41.862" उ
10	76° 7' 36.582" पू	24° 50' 11.935" उ
11	76° 3' 55.880" पू	24° 49' 7.996" उ
12	76° 1' 18.457" पू	24° 49' 31.623" उ
13	76° 0' 3.661" पू	24° 50' 6.811" उ
14	75° 58' 45.818" पू	24° 50' 0.522" उ
15	75° 57' 8.765" पू	24° 51' 35.793" उ
16	75° 54' 27.515" पू	24° 53' 0.135" उ
17	75° 53' 2.681" पू	24° 54' 28.508" उ
18	75° 51' 37.832" पू	24° 55' 1.756" उ
19	75° 52' 8.867" पू	24° 56' 30.493" उ
20	75° 50' 46.653" पू	24° 56' 48.879" उ
21	75° 48' 37.382" पू	24° 56' 6.930" उ
22	75° 47' 25.120" पू	24° 54' 55.294" उ
23	75° 43' 20.732" पू	24° 57' 4.690" उ
24	75° 45' 9.797" पू	24° 56' 15.252" उ
25	75° 45' 14.180" पू	24° 57' 29.641" उ
26	75° 46' 27.796" पू	24° 57' 40.249" उ
27	75° 47' 32.188" पू	24° 58' 57.297" उ
28	75° 47' 52.983" पू	25° 0' 3.860" उ
29	75° 45' 33.960" पू	24° 59' 58.322" उ
30	75° 45' 33.156" पू	25° 1' 12.335" उ

क्र. सं.	देशांतर	अक्षांश
31	75° 44' 39.008" पू	25° 2' 37.603" उ
32	75° 43' 34.537" पू	25° 2' 44.847" उ
33	75° 41' 28.391" पू	25° 0' 49.698" उ
34	75° 43' 3.517" पू	25° 3' 43.699" उ
35	75° 45' 16.620" पू	25° 6' 33.483" उ
36	75° 45' 1.518" पू	25° 7' 32.469" उ
37	75° 43' 38.339" पू	25° 7' 36.182" उ
38	75° 42' 45.296" पू	25° 7' 23.600" उ
39	75° 39' 20.003" पू	25° 4' 42.008" उ
40	75° 37' 4.800" पू	25° 5' 3.195" उ
41	75° 36' 57.627" पू	25° 3' 50.016" उ
42	75° 37' 27.735" पू	25° 2' 27.435" उ
43	75° 35' 29.519" पू	25° 3' 12.451" उ
44	75° 34' 10.757" पू	25° 3' 12.129" उ
45	75° 34' 1.844" पू	25° 3' 4.471" उ
46	75° 33' 1.402" पू	25° 2' 25.882" उ
47	75° 31' 23.170" पू	25° 1' 21.947" उ
48	75° 29' 23.885" पू	25° 1' 6.004" उ
49	75° 28' 52.934" पू	24° 59' 36.620" उ
50	75° 28' 0.745" पू	25° 0' 10.518" उ
51	75° 26' 44.065" पू	25° 0' 1.666" उ
52	75° 25' 34.897" पू	24° 59' 2.516" उ
53	75° 26' 46.899" पू	24° 58' 27.137" उ
54	75° 26' 40.084" पू	24° 57' 31.488" उ
55	75° 28' 10.120" पू	24° 57' 38.561" उ
56	75° 29' 57.637" पू	24° 57' 28.285" उ
57	75° 30' 23.451" पू	24° 58' 19.167" उ
58	75° 31' 42.952" पू	24° 59' 10.774" उ
59	75° 33' 23.894" पू	24° 58' 42.214" उ
60	75° 35' 3.571" पू	24° 59' 4.324" उ
61	75° 35' 49.811" पू	25° 0' 8.637" उ
62	75° 36' 24.492" पू	24° 59' 45.966" उ
63	75° 36' 50.523" पू	24° 59' 5.829" उ

क्र. सं.	देशांतर	अक्षांश
64	75° 37' 41.312" पू	24° 58' 27.538" उ
65	75° 37' 32.543" पू	24° 57' 43.563" उ
66	75° 36' 28.643" पू	24° 57' 1.772" उ
67	75° 38' 52.959" पू	24° 55' 49.334" उ
68	75° 40' 54.251" पू	24° 55' 57.052" उ
69	75° 43' 17.878" पू	24° 54' 29.210" उ
70	75° 45' 52.466" पू	24° 52' 39.148" उ
71	75° 48' 45.627" पू	24° 52' 12.211" उ
72	75° 52' 11.405" पू	24° 51' 49.830" उ
73	75° 54' 40.542" पू	24° 50' 38.425" उ
74	75° 57' 17.783" पू	24° 48' 50.037" उ
75	76° 0' 40.650" पू	24° 46' 49.423" उ
76	76° 3' 1.763" पू	24° 44' 22.018" उ
77	76° 5' 59.694" पू	24° 41' 50.939" उ
78	76° 8' 6.738" पू	24° 39' 35.260" उ

सारणी ख: पारिस्थितिकी संवेदी जोन के मुख्य अवस्थानों के भूनिर्देशांक-

क्र. सं.	देशांतर	अक्षांश
1	76° 12' 1.303" पू	24° 36' 54.185" उ
2	76° 11' 57.562" पू	24° 40' 24.116" उ
3	76° 11' 55.730" पू	24° 44' 27.268" उ
4	76° 11' 36.179" पू	24° 45' 26.774" उ
5	76° 8' 53.407" पू	24° 48' 4.796" उ
6	76° 8' 41.905" पू	24° 49' 16.365" उ
7	76° 6' 22.375" पू	24° 51' 51.167" उ
8	76° 1' 14.503" पू	24° 50' 4.806" उ
9	75° 57' 25.742" पू	24° 52' 4.366" उ
10	75° 54' 23.647" पू	24° 53' 33.696" उ
11	75° 53' 7.772" पू	24° 54' 41.751" उ
12	75° 51' 41.381" पू	24° 55' 1.029" उ
13	75° 52' 49.628" पू	24° 56' 29.831" उ
14	75° 51' 21.941" पू	24° 56' 47.661" उ
15	75° 48' 26.305" पू	24° 56' 29.902" उ

क्र. सं.	देशांतर	अक्षांश
16	75° 47' 43.878" पू	24° 54' 42.135" उ
17	75° 45' 44.613" पू	24° 56' 59.627" उ
18	75° 45' 21.221" पू	24° 57' 53.618" उ
19	75° 46' 52.531" पू	24° 57' 39.139" उ
20	75° 48' 16.253" पू	24° 59' 59.688" उ
21	75° 46' 7.502" पू	24° 59' 40.052" उ
22	75° 44' 39.171" पू	25° 2' 22.405" उ
23	75° 42' 50.526" पू	25° 2' 38.502" उ
24	75° 43' 58.427" पू	25° 3' 43.748" उ
25	75° 45' 45.717" पू	25° 7' 25.582" उ
26	75° 43' 6.934" पू	25° 7' 51.656" उ
27	75° 41' 15.819" पू	25° 6' 0.346" उ
28	75° 36' 39.889" पू	25° 5' 26.475" उ
29	75° 36' 40.850" पू	25° 3' 11.878" उ
30	75° 33' 23.020" पू	25° 3' 7.359" उ
31	75° 31' 14.552" पू	25° 1' 55.908" उ
32	75° 28' 32.597" पू	25° 0' 25.224" उ
33	75° 26' 30.799" पू	25° 0' 31.842" उ
34	75° 25' 0.503" पू	24° 58' 46.295" उ
35	75° 25' 54.273" पू	24° 57' 48.256" उ
36	75° 27' 4.289" पू	24° 57' 4.212" उ
37	75° 28' 51.017" पू	24° 57' 13.463" उ
38	75° 30' 12.968" पू	24° 57' 36.138" उ
39	75° 31' 45.763" पू	24° 58' 3.663" उ
40	75° 33' 7.151" पू	24° 57' 34.190" उ
41	75° 33' 16.132" पू	24° 55' 37.935" उ
42	75° 35' 8.395" पू	24° 55' 3.621" उ
43	75° 35' 18.458" पू	24° 56' 40.162" उ
44	75° 37' 29.974" पू	24° 56' 15.385" उ
45	75° 41' 10.781" पू	24° 55' 12.856" उ
46	75° 45' 1.831" पू	24° 52' 27.473" उ
47	75° 48' 14.830" पू	24° 51' 42.187" उ
48	75° 52' 18.898" पू	24° 51' 17.312" उ

क्र. सं.	देशांतर	अक्षांश
49	75° 55' 37.001" पू	24° 49' 40.602" उ
50	75° 59' 52.919" पू	24° 46' 43.804" उ
51	76° 1' 43.965" पू	24° 44' 28.484" उ
52	76° 5' 33.607" पू	24° 41' 13.646" उ
53	76° 8' 17.748" पू	24° 38' 36.674" उ
54	76° 10' 39.892" पू	24° 36' 55.819" उ

उपाबंध-IV

भू-निर्देशांकों के साथ मुकन्दरा हिल्स टाइगर रिज़र्व के पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले ग्रामों की सूची

क्र. सं.	ग्राम के नाम	ग्राम के प्रकार*	तहसील/तालुका	जिला	अक्षांश (उ) (डीएमएस प्रारूप)	देशांतर (पू) (डीएमएस प्रारूप)
1.	रतकाकरा	राजस्व	लाडपुरा	कोटा	उ25°3'11.80"	पू 75°43'47.22"
2.	जामुनिया बाबडी	राजस्व	लाडपुरा	कोटा	उ25°3'54.42"	पू 75°43'39.73"
3.	बोरावास	राजस्व	लाडपुरा	कोटा	उ 25°1'14.49"	पू 75°41'40.96"
4.	आखावा की कृषि भूमि	राजस्व	लाडपुरा	कोटा	उ 25°0'6.51"	पू 75°44'54.02"
5.	चान्द बाबडी	राजस्व	लाडपुरा	कोटा	उ 24°56'6.35"	पू 75°44'52.66"
6.	कोलीपुरा	राजस्व	लाडपुरा	कोटा	उ 24°57'46.11"	पू 75°40'0.65"
7.	गिरधरपुरा	राजस्व	लाडपुरा	कोटा	उ 24°54'46.90"	पू 75°44'29.27"
8.	दामोदरपुरा	राजस्व	लाडपुरा	कोटा	उ 24°52'30.05"	पू 75°52'12.25"
9.	किशनपुरा	राजस्व	लाडपुरा	कोटा	उ 24°53'9.70"	पू 75°46'59.71"
10.	नयागांव/जसपुरा	राजस्व	लाडपुरा	कोटा	उ 24°54'10.33"	पू 75°48'10.68"
11.	केशवपुरा	राजस्व	लाडपुरा	कोटा	उ24°53'47.50"	पू 75°49'39.72"
12.	मन्दरगढ	राजस्व	लाडपुरा	कोटा	उ24°53'34.42"	पू 75°51'38.52"
13.	मोहनपुरा	राजस्व	लाडपुरा	कोटा	उ 24°53'44.66"	पू 75°53'37.56"
14.	रावठा	राजस्व	लाडपुरा	कोटा	उ 24°52'26.18"	पू 75°53'23.54"
15.	हरीपुरा	राजस्व	लाडपुरा	कोटा	उ 24°52'23.25"	पू 75°55'50.65"
16.	कवरपुरा की कृषि भूमि	राजस्व	संगोद	कोटा	उ 24°52'29.79"	पू 75°56'28.72"
17.	भवरिया डडवाडा की कृषि भूमि	राजस्व	संगोद	कोटा	उ 24°52'24.27"	पू 75°56'55.23"
18.	कोथला	राजस्व	संगोद	कोटा	उ 24°50'39.42"	पू 75°58'26.02"
19.	पदमपुरा	राजस्व	कनवास	कोटा	उ 24°50'20.63"	पू 75°58'49.70"
20.	दरा स्टेशन	राजस्व	कनवास	कोटा	उ 24°49'58.90"	पू 76°0'30.00"
21.	मोरुकला	राजस्व	कनवास	कोटा	उ 24°49'30.46"	पू 76°1'8.62"
22.	अमझार	राजस्व	कनवास	कोटा	उ 24°47'57.56"	पू 75°58'38.37"
23.	पीपलदा	राजस्व	कनवास	कोटा	उ 24°46'54.04"	पू 75°58'35.57"

क्र.सं.	ग्राम के नाम	ग्राम के प्रकार*	तहसील/तालुका	जिला	अक्षांश (उ) (डीएमएस प्रारूप)	देशांतर (पू) (डीएमएस प्रारूप)
24.	मिनियाखेडी	राजस्व	कनवास	कोटा	उ 24°48'13.06"	पू 75°57'0.35"
25.	भटवाडा	राजस्व	कनवास	कोटा	उ 24°47'53.79"	पू 75°57'44.05"
26.	भटवाडा की ढाणी	राजस्व	कनवास	कोटा	उ 24°48'9.35"	पू 75°57'34.86"
27.	झामरा	राजस्व	कनवास	कोटा	उ 24°49'21.96"	पू 75°56'46.22"
28.	नयागांव	राजस्व	कनवास	कोटा	उ 24°49'24.08"	पू 75°56'6.13"
29.	मनोहरपुरा	राजस्व	कनवास	कोटा	उ 24°50'2.51"	पू 75°55'48.71"
30.	बक्सपुरा	राजस्व	संगोद	कोटा	उ 24°50'57.24"	पू 75°53'30.31"
31.	घाटोली	राजस्व	संगोद	कोटा	उ 24°51'47.22"	पू 75°52'10.86"
32.	वालको	राजस्व	संगोद	कोटा	उ 24°51'26.15"	पू 75°50'4.67"
33.	रेल गेराबाद	राजस्व	लाडपुरा	कोटा	उ 24°56'40.73"	पू 75°50'3.37"
34.	कैलाशनगरी	राजस्व	लाडपुरा	कोटा	उ 24°44'41.73"	पू 76°07'30.22"
35.	धावद खुर्द	राजस्व	रावतभाटा	चित्तौड़गढ़	उ 24°51'39.77"	पू 75°48'43.18"
36.	कोटडा	राजस्व	रावतभाटा	चित्तौड़गढ़	उ 24°52'13.19"	पू 75°45'24.44"
37.	करणपुरा	राजस्व	रावतभाटा	चित्तौड़गढ़	उ 24°51'54.96"	पू 75°45'21.20"
38.	धारडी	राजस्व	रावतभाटा	चित्तौड़गढ़	उ 24°52'19.80"	पू 75°47'1.16"
39.	बमोरी खुर्द	राजस्व	रावतभाटा	चित्तौड़गढ़	उ 24°52'27.34"	पू 75°45'8.60"
40.	भगवतपुरा	राजस्व	रावतभाटा	चित्तौड़गढ़	उ 24°53'21.02"	पू 75°43'57.71"
41.	नाई तलाई	राजस्व	रावतभाटा	चित्तौड़गढ़	उ 24°53'48.84"	पू 75°43'29.52"
42.	मालपुरा	राजस्व	रावतभाटा	चित्तौड़गढ़	उ 24°53'32.25"	पू 75°44'4.47"
43.	धनेश्वर	राजस्व	दाबी	बूंदी	उ 25°3' 56.98"	पू 75°35'11.83"
44.	खेरा	राजस्व	दाबी	बूंदी	उ 25°3' 53.04"	पू 75°34'36.60"
45.	गुधा	राजस्व	दाबी	बूंदी	उ 25°3' 3.34"	पू 75°33'8.19"
46.	भुंजर खुर्द	राजस्व	रावतभाटा	चित्तौड़गढ़	उ 25°0' 2.35"	पू 75°28'34.35"
47.	भुंजर कला	राजस्व	रावतभाटा	चित्तौड़गढ़	उ 25°0' 51.30"	पू 75°28'31.83"
48.	लोतियाना	राजस्व	रावतभाटा	चित्तौड़गढ़	उ 24°57' 36.20"	पू 75°26'24.68"
49.	रावतभाटा	राजस्व	रावतभाटा	चित्तौड़गढ़	उ 24°56'6.39"	पू 75°35'18.57"
50.	बदोलिया	राजस्व	रावतभाटा	चित्तौड़गढ़	उ 24°57' 55.75"	पू 75°34'59.09"
51.	नगनी	राजस्व	रावतभाटा	चित्तौड़गढ़	उ 24°57'26.41"	पू 75°36'10.99"
52.	जवारा खुर्द	राजस्व	रावतभाटा	चित्तौड़गढ़	उ 24°58' 14.63"	पू 75°36'47.53"
53.	गोलबाव	राजस्व	झालरापाटन	झालावर	उ 24°49' 54.33"	पू 76°8'2.41"
54.	फजलपुर कृषि भूमि	राजस्व	झालरापाटन	झालावर	उ 24°37'23.75"	पू 76°10'16.34"
55.	बेरखेरी कृषि भूमि	राजस्व	झालरापाटन	झालावर	उ 24°36' 27.68"	पू 76°12'49.12"
56.	नाजा कृषि भूमि	राजस्व	झालरापाटन	झालावर	उ 24°38' 32.70"	पू 76°8'50.34"
57.	धनवास कृषि भूमि	राजस्व	झालरापाटन	झालावर	उ 24°39' 46.9"	पू 76°7'29.27"
58.	खोखान्दा कृषि	राजस्व	झालरापाटन	झालावर	उ 24°40' 34.99"	पू 76°6'3.39"
59.	राजपुरा कृषि भूमि	राजस्व	झालरापाटन	झालावर	उ 24°40' 49.72"	पू 76°11'23.14"

क्र.सं.	ग्राम के नाम	ग्राम के प्रकार*	तहसील/तालुका	जिला	अक्षांश (उ) (डीएमएस प्रारूप)	देशांतर (पू) (डीएमएस प्रारूप)
60	बादोदिया कृषि भूमि	राजस्व	रावतभाटा	चित्तौड़गढ़	उ 24°41' 19.97"	पू 76°5'12.44"
61	झालरा कृषि भूमि	राजस्व	लाडपुरा	कोटा	उ 24°42'2.71"	पू 76°4'47.43"
62	झिरी कृषि भूमि	राजस्व	लाडपुरा	कोटा	उ 24°42'35.73"	पू 76°4'7.65"
63	जमुनिया कृषि भूमि	राजस्व	लाडपुरा	कोटा	उ 24°43'12.92"	पू 76°3'28.50"
64	खरली बावड़ी कृषि भूमि	राजस्व	लाडपुरा	कोटा	उ 24°43'47.67"	पू 76°2'54.47"
65	नयागांव कृषि भूमि	राजस्व	रामगंजमंडी	कोटा	उ 24°44'24.61"	पू 76°1'56.12"
66	मनपुरा कृषि भूमि	राजस्व	रामगंजमंडी	कोटा	उ 24°45'31.3"	पू 76°1'10.69"
67	धानी कृषि भूमि	राजस्व	रामगंजमंडी	कोटा	उ 24°44'54.37"	पू 76°1'23.70"
68	कुकडा खुर्द कृषि भूमि	राजस्व	रामगंजमंडी	कोटा	उ 24°46'38.63"	पू 75°59'49.93"
69	कमालपुरा कृषि भूमि	राजस्व	रामगंजमंडी	कोटा	उ 24°46'57.68"	पू 75°59'7.17"
70	मिन्याखेडी कृषि भूमि	राजस्व	रामगंजमंडी	कोटा	उ 24°48'13.06"	पू 75°57'0.35"
71	पिपलडा कृषि भूमि	राजस्व	रामगंजमंडी	कोटा	उ 24°46'54.04"	पू 75°58'35.57"
72	अमझार कृषि भूमि	राजस्व	रामगंजमंडी	कोटा	उ 24°47'57.56"	पू 75°58'38.37"
73	कलिया कुई	राजस्व	संगोद	कोटा	उ 24°49'32.41"	पू 76°0'24.33"
74	मोरुकलान	राजस्व	संगोद	कोटा	उ 24°49'41.51"	पू 76°0'101.17"
75	मोरु खुर्द	राजस्व	संगोद	कोटा	उ 24°50'12.39"	पू 76°0'123.64"

उपाबंध-V**की गई कार्रवाई सम्बन्धी रिपोर्ट का प्रपत्र:**

1. बैठकों की संख्या और तारीख ।
2. बैठकों का कार्यवृत्त :खनीय बिंदुओं का वर्णन करें। बैठक के कार्यवृत्त (उल्लेख्य मुख्य) त को एक पृथक उपाबंध के रूप में प्रस्तुत करें। (
3. पर्यटन मास्टर प्लान सहित आंचलिक मास्टर की तैयारी की स्थिति ।
4. भूस्पष्ट त्रुटियों अभिलेखों की- के सुधार के लिए निबटाए गए मामलों का सारसंवेदी जोन -पारिस्थितिकी) । विवरण उपाबंध के रूप में संलग्न करें। (वार
5. पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन अधिसूचना 2006 ,के तहत आने वाले कार्यकलापों से संबंधित संवीक्षा किए गए मामलों का सार।ध के रूप में संलग्न विवरण एक पृथक उपाबंध)ग्न करें।(
6. पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन अधिसूचना 2006 ,के तहत न आने वाली कार्यकलापों से संबंधित संवीक्षा किए गए मामलों का सार ।।(विवरण एक पृथक उपाबंध के रूप में संलग्न करें)
7. पर्यावरण 1986 ,अधिनियम (संरक्षण)की धारा यतों का सार ।के अधीन दर्ज की गई शिका 19
8. कोई अन्य महत्वपूर्ण मामला ।

MINISTRY OF ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE CHANGE**NOTIFICATION**

New Delhi, the 10th January, 2020

S.O. 174(E).—The following draft of the notification, which the Central Government proposes to issue in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with clause (v) and clause (xiv) of sub-section (2) and sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986) is hereby published, as required under sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, for the information of the public likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft notification shall be taken into consideration on or after the expiry of a period of sixty days from the date on which copies of the Gazette containing this notification are made available to the public;

Any person interested in making any objections or suggestions on the proposals contained in the draft notification may forward the same in writing, for consideration of the Central Government within the period so specified to the Secretary, Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Indira Paryavaran Bhawan, Jorbagh Road, Aliganj, New Delhi-110 003, or send it to the e-mail address of the Ministry at esz-mef@nic.in

Draft Notification

WHEREAS, Mukundara Hills Tiger Reserve (MHTR) was established in the year 2013 which encompasses area of Mukundara Hills National Park, Dara Sanctuary, Jawahar Sagar Sanctuary and part of National Chambal Ghariyal Sanctuary (From Garadia Mahadev to Jawahar Sagar Dam) which constitutes the core area of MHTR;

AND WHEREAS, the Tiger Reserve is spread over an area of 759.99 square kilometres and situated in Tehsil Ladpura, Sangod, Ramganjmandi of district Kota, Tehsil Jhalrapatan of district Jhalawar, Tehsil Talera of district Bundi and Tehsil Rawatbhat of district Chittorgarh in the State of Rajasthan. Jawahar Sagar Sanctuary lies between 24°-56' to 25° 7.5' North Latitude and 75° 26.50' to 75° 41', East Longitude. It is situated 35 kilometres from Rawathbhata and 75 kilometres from Bundi and was declared as a Sanctuary *vide* Government of Rajasthan notification no. F3(5) (13) Rev. 18/73 dated 9th October, 1975;

AND WHEREAS, Mukundara Hills Tiger Reserve is named after the two continuous flat topped and almost parallel hills with the narrow central ridges, which are a part of Vindhyan Range system extending from river Chambal to Kalisindh and are approximately 80 kilometres in length and 2 to 5 kilometres in width;

AND WHEREAS, Mukundara Hills Tiger Reserve is not only rich in scenic beauty and biodiversity, but also has at least two probable corridors from Ranthambhore—one through Indergarh - Lakheri - Ramgarh Vishdhari Sanctuary-Dabi – Jawahar Sagar Sanctuary and the other through the ravines of Chambal and Kalisindh to Dara. However, special efforts are required to conserve this rich natural heritage, to provide safe passage/corridor to the tigers of adjacent Ranthambhore Tiger Reserve and to reintroduce tigers in the area. Hence it has been given special legal protection as is available under section 38(V) of Wildlife (Protection) Act, 1972 by constituting it as a tiger reserve;

AND WHEREAS, Mukundara Hills Tiger Reserve (MHTR) comprises of fairly dense forest (canopy density 0.6 to 0.7) Dhok and Khair are the predominant species. Several species of algae, fungi, bryophytes, pteridophytes and angiosperms are available here. It is also rich in orchid and tuberous plants. Valley and streams are habitat of several species of medicinal plants. A large number of them are very vital from ethno medical view. Major flora species available in the Protected Area are hingot (*Balanites aegyptica*), khakhro (*Butea monosperma*), khajur (*Phoenix sylvestris*), vilayati babul (*Prosopis juliflora*), khair (*Acacia catechu*), dhavda (*Anogeissus latifolia*), kalam (*Mitragynaparviflora*), ardusa (*Adatoda vasica*), lisoda (*Cordia myxa*), kadaya (*Sterculia urens*), etc.;

AND WHEREAS, Mukundara Hills Tiger Reserve was once a very good habitat of India's national animal and flagship species tiger. The Tiger Reserve renders protection to rare and endangered fauna such as sloth bear (*Melarsus ursinus*), sambhar (*Cervus unicolor*), ratel (*Malivora capensis*), common langur

(*Presbytis entellus*), wild boar (*Sus scrofa*), panther (*Panthera pardus*), blue bull (*Boselaphus tragocamelus*), jackal (*Canis aureus*), striped hyaena (*Hyaena hyaena*), spotted deer (*Axis axis*), Indian porcupine (*Hystrix indica*), monitor lizard (*Varanus bengalensis*), python (*Python molurus*), rat snake (*Ptyas mucosus*), Russel's viper (*Viper russelli*), Indian cobra (*Naja naja*), etc;

AND WHEREAS, major avifauna recorded from the Protected Areas are little grebe (*Techybaptus ruficollis*), great cormorant (*Phalacrocorax carbo*), common kingfisher (*Alcedo atthis*), red wattled lapwing (*Vanellus indicus*), rock pigeon (*Columba livia*), rose ringed parakeet (*Psittacula eupatria*), plum headed parakeet (*Psittacula cynocephala*), rufous treepie (*Dendrocitta vagabunda*), oriental magpie robin (*Copsychus saularis*), common babblar (*Turdoides caudatus*), little egret (*Egretta garzetta*), etc.

AND WHEREAS, important rare, endangered and threatened species available in the Protected Areas are *Amorphallus paeonifolius*, *Anogeissus sericia*, *Bauhinia vahlii*, *Tribulus rajasthanensis*, *Anogeissus latifolia*, *Commiphora wightii*, *Acacia catechu*, *Acacia leucophloea*, wolf, fox and python;

AND WHEREAS, the Protected Area also has some important archeological sites such as Gargon Fort which is a UNESCO world heritage site, Abli Meenika Mahal, Raontha Mahal, Badoli group of temples etc. Some of important religious pilgrimage sites are Garadia Mahadev, Gapernath, Ambarani Mataji, Nahar Singh Mataji etc. Beautiful Chambal gorges and unique landscape also formed the part of the Tiger Reserve. MHTR serves as catchment of rivers like Kalisindh, Ahu, Amjhar, Eru, Brahmini, and Chambal. Water bodies such as Laximpuratalai, Bewada Talai, KadapKakhal and Chambal River attract lot of migratory birds. Hence, MHTR provides an ideal attraction to tourists. It is also a good opportunity for promotion of ecotourism which will enhance with reintroduction of tigers in the reserve;

AND WHEREAS, it is necessary to conserve and protect the area, the extent and boundaries of Mukundara Hills Tiger Reserve which are specified in paragraph 1 as Eco-Sensitive Zone from ecological, environmental and biodiversity point of view and to prohibit industries or class of industries and their operations and processes in the said Eco-Sensitive Zone;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) and clauses (v) and (xiv) of sub-section (2) and sub-section (3) of Section 3 of the Environment (Protection) Act 1986 (29 of 1986) (hereafter in this notification referred to as the Environment Act) read with sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, the Central Government hereby notifies an area to an extent varying from 0 (zero) to 1.0 (one) kilometre around the boundary of Mukundara Hills Tiger Reserve, in Kota, Jhalawar, Bundi and Chittorgarh districts in the State of Rajasthan, as the MHTR Eco-sensitive Zone (hereafter in this notification referred to as the Eco-sensitive Zone) details of which are as under, namely: -

- 1. Extent and boundaries of Eco-Sensitive Zone.** – (1) The Eco-Sensitive Zone shall be to an extent of 0 (zero) to 1.0 (one) kilometre around the boundary of Mukundara Hills Tiger Reserve and the area of the Eco-Sensitive Zone is 248.70 square kilometres. State Government has justified zero extent of Eco-Sensitive Zone as the *zero extent of Eco-Sensitive Zone is due to co-termination of Eco-Sensitive Zone with buffer area of Mukandara Hills Tiger Reserve*. The extents of Eco-sensitive Zone at various directions are given as:-

Direction	Extents (in kilometre)
North	1.00
North- East	0 to 1.00
East	0
South-East	0 to 1.00
South	0 to 1.00
South-West	0
West	1.00
North-West	1.00

- (2) The boundary description of Mukundara Hills Tiger Reserve and its Eco-Sensitive Zone is appended in **Annexure-I**.
 - (3) The maps of the Mukundara Hills Tiger Reserve demarcating Eco-Sensitive Zone along with boundary details and latitudes and longitudes are appended as **Annexure-IIA, Annexure-IIB, Annexure-IIC** and **Annexure-IID**.
 - (4) List of geo-coordinates of the boundary of Mukundara Hills Tiger Reserve and Eco-Sensitive Zone are given in Table **A** and Table **B** of **Annexure III**.
 - (5) The list of villages falling in the proposed Eco-sensitive Zone along with their geo co-ordinates at prominent points is appended as **Annexure-IV**.
- 2. Zonal Master Plan for Eco-sensitive Zone.**-(1) The State Government shall, for the purposes of the Eco-sensitive Zone prepare a Zonal Master Plan within a period of two years from the date of publication of this notification in the Official Gazette, in consultation with local people and adhering to the stipulations given in this notification for approval of the competent authority of State.
- (2) The Zonal Master Plan for the Eco-Sensitive Zone shall be prepared by the State Government in such manner as is specified in this notification and also in consonance with the relevant Central and State laws and the guidelines issued by the Central Government, if any.
 - (3) The Zonal Master Plan shall be prepared in consultation with the following Departments of the State Government, for integrating the ecological and environmental considerations into the said plan:-
 - (i) Environment;
 - (ii) Forest and Wildlife;
 - (iii) Agriculture;
 - (iv) Revenue;
 - (v) Urban Development;
 - (vi) Tourism;
 - (vii) Rural Development;
 - (viii) Irrigation and Flood Control;
 - (ix) Municipal;
 - (x) Panchayati Raj; and
 - (xi) Public Works Department.
 - (4) The Zonal Master Plan shall not impose any restriction on the approved existing land use, infrastructure and activities, unless so specified in this notification and the Zonal Master Plan shall factor in improvement of all infrastructure and activities to be more efficient and eco-friendly.
 - (5) The Zonal Master Plan shall provide for restoration of denuded areas, conservation of existing water bodies, management of catchment areas, watershed management, groundwater management, soil and moisture conservation, needs of local community and such other aspects of the ecology and environment that need attention.
 - (6) The Zonal Master Plan shall demarcate all the existing worshipping places, villages and urban settlements, types and kinds of forests, agricultural areas, fertile lands, green area, such as, parks and like places, horticultural areas, orchards, lakes and other water bodies with supporting maps giving details of existing and proposed land use features.

- (7) The Zonal Master Plan shall regulate development in Eco-sensitive Zone and adhere to prohibited and regulated activities listed in the Table in paragraph 4 and also ensure and promote eco-friendly development for security of local communities' livelihood.
- (8) The Zonal Master Plan shall be co-terminus with the Regional Development Plan.
- (9) The Zonal Master Plan so approved shall be the reference document for the Monitoring Committee for carrying out its functions of monitoring in accordance with the provisions of this notification.

3. Measures to be taken by the State Government.- The State Government shall take the following measures for giving effect to the provisions of this notification, namely:-

- (1) **Land use.**— (a) Forests, horticulture areas, agricultural areas, parks and open spaces earmarked for recreational purposes in the Eco-sensitive Zone shall not be used or converted into areas for commercial or residential or industrial activities:

Provided that the conversion of agricultural and other lands, for the purpose other than that specified at part (a) above, within the Eco-sensitive Zone may be permitted on the recommendation of the Monitoring Committee, and with the prior approval of the competent authority under Regional Town Planning Act and other rules and regulations of Central Government or State Government as applicable and *vide* provisions of this Notification, to meet the residential needs of the local residents and for activities such as:-

- (i) widening and strengthening of existing roads and construction of new roads;
- (ii) construction and renovation of infrastructure and civic amenities;
- (iii) small scale industries not causing pollution;
- (iv) cottage industries including village industries; convenience stores and local amenities supporting eco-tourism including home stay; and
- (v) promoted activities given under paragraph 4:

Provided further that no use of tribal land shall be permitted for commercial and industrial development activities without the prior approval of the competent authority under Regional Town Planning Act and other rules and regulations of the State Government and without compliance of the provisions of Article 244 of the Constitution or the law for the time being in force, including the Scheduled Tribes and Other Traditional Forest Dwellers (Recognition of Forest Rights) Act, 2006 (2 of 2007):

Provided also that any error appearing in the land records within the Eco-sensitive Zone shall be corrected by the State Government, after obtaining the views of Monitoring Committee, once in each case and the correction of said error shall be intimated to the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change:

Provided also that the correction of error shall not include change of land use in any case except as provided under this sub-paragraph.

(b) Efforts shall be made to reforest the unused or unproductive agricultural areas with afforestation and habitat restoration activities.

- (2) **Natural water bodies.**-The catchment areas of all natural springs shall be identified and plans for their conservation and rejuvenation shall be incorporated in the Zonal Master Plan and the guidelines shall be drawn up by the State Government in such a manner as to prohibit development activities at or near these areas which are detrimental to such areas.

- (3) **Tourism or Eco-tourism.**- (a) All new eco-tourism activities or expansion of existing tourism activities within the Eco-sensitive Zone shall be as per the Tourism Master Plan for the Eco-sensitive Zone.

(b) The Eco-Tourism Master Plan shall be prepared by the State Department of Tourism in consultation with State Departments of Environment and Forests.

- (c) The Tourism Master Plan shall form a component of the Zonal Master Plan.
- (d) The Tourism Master Plan shall be drawn based on the study of carrying capacity of the Eco-sensitive Zone.
- (e) The activities of eco-tourism shall be regulated as under, namely:-
 - (i) new construction of hotels and resorts shall not be allowed within one kilometre from the boundary of the protected area or upto the extent of the Eco-sensitive Zone whichever is nearer:

Provided that beyond the distance of one kilometre from the boundary of the protected area till the extent of the Eco-sensitive Zone, the establishment of new hotels and resorts shall be allowed only in pre-defined and designated areas for eco-tourism facilities as per Tourism Master Plan;

- (ii) all new tourism activities or expansion of existing tourism activities within the Eco-sensitive Zone shall be in accordance with the guidelines issued by the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change and the eco-tourism guidelines issued by National Tiger Conservation Authority (as amended from time to time) with emphasis on eco-tourism, eco-education and eco-development;
 - (iii) until the Zonal Master Plan is approved, development for tourism and expansion of existing tourism activities shall be permitted by the concerned regulatory authorities based on the actual site specific scrutiny and recommendation of the Monitoring Committee and no new hotel, resort or commercial establishment construction shall be permitted within Eco-sensitive Zone area.
- (4) **Natural heritage.**- All sites of valuable natural heritage in the Eco-sensitive Zone, such as the gene pool reserve areas, rock formations, waterfalls, springs, gorges, groves, caves, points, walks, rides, cliffs, etc. shall be identified and a heritage conservation plan shall be drawn up for their preservation and conservation as a part of the Zonal Master Plan.
 - (5) **Man-made heritage sites.**- Buildings, structures, artefacts, areas and precincts of historical, architectural, aesthetic, and cultural significance shall be identified in the Eco-sensitive Zone and heritage conservation plan for their conservation shall be prepared as part of the Zonal Master Plan.
 - (6) **Noise pollution.** - Prevention and control of noise pollution in the Eco-Sensitive Zone shall be complied in accordance with the provisions of the Noise Pollution (Regulation and Control) Rules, 2000 under the Environment Act.
 - (7) **Air pollution.**- Prevention and control of air pollution in the Eco-sensitive Zone shall be compiled in accordance with the provisions of the Air (Prevention and Control of Pollution) Act, 1981 (14 of 1981) and the rules made thereunder.
 - (8) **Discharge of effluents.** - Discharge of treated effluent in Eco-Sensitive Zone shall be in accordance with the provisions of the General Standards for Discharge of Environmental Pollutants covered under the Environment Act and the rules made thereunder or standards stipulated by State Government whichever is more stringent.
 - (9) **Solid wastes.**- Disposal and Management of solid wastes shall be as under:-
 - (a) the solid waste disposal and management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the Solid Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number S.O. 1357 (E), dated the 8th April, 2016; the inorganic material may be disposed in an environmental acceptable manner at site identified outside the Eco-Sensitive Zone;
 - (b) safe and Environmentally Sound Management (ESM) of Solid wastes in conformity with the existing rules and regulations using identified technologies may be allowed within Eco-Sensitive Zone.

- (10) **Bio-Medical Waste.**— Bio Medical Waste Management shall be as under:-
- (a) the Bio-Medical Waste disposal in the Eco-Sensitive Zone shall be carried out in accordance with the Bio-Medical Waste Management, Rules, 2016 published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number G.S.R 343 (E), dated the 28th March, 2016.
 - (b) safe and Environmentally Sound Management of Bio-Medical Wastes in conformity with the existing rules and regulations using identified technologies may be allowed within the Eco-Sensitive Zone.
- (11) **Plastic waste management.**— The plastic waste management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the Plastic Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number G.S.R. 340(E), dated the 18th March, 2016, as amended from time to time.
- (12) **Construction and demolition waste management.** - The construction and demolition waste management in the Eco-Sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the Construction and Demolition Waste Management Rules, 2016 published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number G.S.R. 317(E), dated the 29th March, 2016, as amended from time to time.
- (13) **E-waste.**— The e - waste management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the E-Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change, as amended from time to time.
- (14) **Vehicular traffic.**— The vehicular movement of traffic shall be regulated in a habitat friendly manner and specific provisions in this regard shall be incorporated in the Zonal Master Plan and till such time as the Zonal Master plan is prepared and approved by the Competent Authority in the State Government, the Monitoring Committee shall monitor compliance of vehicular movement under the relevant Acts and the rules and regulations made thereunder.
- (15) **Vehicular pollution.**— Prevention and control of vehicular pollution shall be in compliance with applicable laws and efforts shall be made for use of cleaner fuels.
- (16) **Industrial units.**— (i) On or after the publication of this notification in the Official Gazette, no new polluting industries shall be permitted to be set up within the Eco-sensitive Zone.
- (ii) Only non-polluting industries shall be allowed within Eco-Sensitive Zone as per the classification of Industries in the guidelines issued by the Central Pollution Control Board in February, 2016, unless so specified in this notification, and in addition, the non-polluting cottage industries shall be promoted.
- (17) **Protection of hill slopes.**— The protection of hill slopes shall be as under:-
- (a) the Zonal Master Plan shall indicate areas on hill slopes where no construction shall be permitted;
 - (b) construction on existing steep hill slopes or slopes with a high degree of erosion shall not be permitted.
4. **List of activities prohibited or to be regulated within Eco-sensitive Zone.**— All activities in the Eco sensitive Zone shall be governed by the provisions of the Environment Act and the rules made there under including the Coastal Regulation Zone, 2011 and the Environmental Impact Assessment Notification, 2006 and other applicable laws including the Forest (Conservation) Act, 1980 (69 of 1980), the Indian Forest Act, 1927 (16 of 1927), the Wildlife (Protection) Act 1972 (53 of 1972), and amendments made thereto and be regulated in the manner specified in the Table below, namely:-

TABLE

S. No. (1)	Activity (2)	Description (3)
A. Prohibited Activities		
1.	Commercial mining, stone quarrying and crushing units.	(a) All new and existing mining (minor and major minerals), stone quarrying and crushing units are prohibited with immediate effect except for meeting the domestic needs of bona fide local residents including digging of earth for construction or repair of houses and for manufacture of country tiles or bricks for housing and for personal consumption; (b) The mining operations shall be carried out in accordance with the order of the Hon'ble Supreme Court dated the 4 th August, 2006 in the matter of T.N. Godavarman Thirumulpad Vs. UOI in W.P.(C) No.202 of 1995 and dated the 21 st April, 2014 in the matter of Goa Foundation Vs. UOI in W.P.(C) No.435 of 2012.
2.	Setting of industries causing pollution (Water, Air, Soil, Noise, etc.).	New industries and expansion of existing polluting industries in the Eco-sensitive Zone shall not be permitted: Provided that non-polluting industries shall be allowed within Eco-sensitive Zone as per classification of Industries in the guidelines issued by the Central Pollution Control Board in February, 2016, unless otherwise specified in this notification and in addition the non-polluting cottage industries shall be promoted.
3.	Establishment of major hydro-electric project.	Prohibited (except as otherwise provided) as per the applicable laws.
4.	Use or production or processing of any hazardous substances.	Prohibited (except as otherwise provided) as per the applicable laws.
5.	Discharge of untreated effluents in natural water bodies or land area.	Prohibited (except as otherwise provided) as per the applicable laws.
6.	Setting up of new saw mills.	New or expansion of existing saw mills shall not be permitted within the Eco-sensitive Zone.
7.	Setting up of brick kilns.	Prohibited (except as otherwise provided) as per the applicable laws.
8.	Commercial use of firewood.	Prohibited (except as otherwise provided) as per the applicable laws.
B. Regulated Activities		
9.	Commercial establishment of hotels and resorts.	No new commercial hotels and resorts shall be permitted within one kilometer of the boundary of the protected area or upto the extent of Eco-sensitive Zone, whichever is nearer, except for small temporary structures for eco-tourism activities: Provided that, beyond one kilometer from the boundary of the protected area or upto the extent of

S. No. (1)	Activity (2)	Description (3)
		Eco-sensitive Zone whichever is nearer, all new tourist activities or expansion of existing activities shall be in conformity with the Tourism Master Plan and guidelines as applicable.
10.	Construction activities.	<p>(a) New commercial construction of any kind shall not be permitted within one kilometer from the boundary of the protected area or upto extent of the Eco-sensitive Zone, whichever is nearer:</p> <p>Provided that, local people shall be permitted to undertake construction in their land for their use including the activities mentioned in sub-paragraph (1) of paragraph 3 as per building bye-laws to meet the residential needs of the local residents.</p> <p>Provided further that the construction activity related to small scale industries not causing pollution shall be regulated and kept at the minimum, with the prior permission from the competent authority as per applicable rules and regulations, if any.</p> <p>(b) Beyond one kilometer it shall be regulated as per the Zonal Master Plan.</p>
11.	Small scale non polluting industries.	Non polluting industries as per classification of industries issued by the Central Pollution Control Board in February, 2016 and non-hazardous, small-scale and service industry, agriculture, floriculture, horticulture or agro-based industry producing products from indigenous materials from the Eco-sensitive Zone shall be permitted by the competent Authority.
12.	Felling of trees.	<p>(a) There shall be no felling of trees in the forest or Government or revenue or private lands without prior permission of the Competent Authority in the State Government.</p> <p>(b) The felling of trees shall be regulated in accordance with the provisions of the concerned Central or State Act and the rules made thereunder.</p>
13.	Collection of Forest produce or Non-Timber Forest produce.	Regulated as per the applicable laws.
14.	Erection of electrical and communication towers and laying of cables and other infrastructures.	Regulated under applicable laws (underground cabling may be promoted).
15.	Infrastructure including civic amenities.	Taking measures of mitigation as per the applicable laws, rules and regulations available guidelines.
16.	Widening and strengthening of existing roads and construction of new roads.	Taking measures of mitigation as per the applicable laws, rules and regulation and available guidelines.
17.	Undertaking other activities related to tourism like flying over the Eco-	Regulated as per the applicable laws.

S. No. (1)	Activity (2)	Description (3)
	sensitive Zone area by hot air balloon, helicopter, drones, Microlites, etc.	
18.	Protection of hill slopes and river banks.	Regulated as per the applicable laws.
19.	Movement of vehicular traffic at night.	Regulated for commercial purpose under applicable laws.
20.	Noise pollution.	Regulated as per the applicable laws.
21.	Ongoing agriculture and horticulture practices by local communities along with dairies, dairy farming, aquaculture and fisheries.	Permitted as per the applicable laws for use of locals.
22.	Establishment of large-scale commercial livestock and poultry farms by firms, corporate and companies.	Regulated (except otherwise provided) as per the applicable laws except for meeting local needs.
23.	Discharge of treated waste water or effluents in natural water bodies or land area.	The discharge of treated waste water or effluents shall be avoided to enter into the water bodies and efforts shall be made for recycle and reuse of treated waste water. Otherwise the discharge of treated waste water or effluent shall be regulated as per the applicable laws.
24.	Commercial extraction of surface and ground water.	Regulated as per the applicable laws.
25.	Solid waste management.	Regulated as per the applicable laws.
26.	Introduction of exotic species.	Regulated as per the applicable laws.
27.	Eco-tourism.	Regulated as per the applicable laws.
28.	Use of polythene bags.	Regulated as per the applicable laws.
29.	Commercial sign boards and hoardings.	Regulated as per the applicable laws.
C. Promoted Activities		
30.	Rain water harvesting.	Shall be actively promoted.
31.	Organic farming.	Shall be actively promoted.
32.	Adoption of green technology for all activities.	Shall be actively promoted.
33.	Cottage industries including village artisans, etc.	Shall be actively promoted.
34.	Use of renewable energy and fuels.	Bio-gas, solar light etc. shall be actively promoted.
35.	Agro-Forestry.	Shall be actively promoted.
36.	Plantation of Horticulture and Herbals.	Shall be actively promoted.
37.	Use of eco-friendly transport.	Shall be actively promoted.

S. No. (1)	Activity (2)	Description (3)
38.	Skill Development.	Shall be actively promoted.
39.	Restoration of degraded land/ forests/ habitat.	Shall be actively promoted.
40.	Environmental awareness.	Shall be actively promoted.

5. Monitoring Committee for Monitoring the Eco-sensitive Zone Notification.- For effective monitoring of the provisions of this notification under sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986, the Central Government hereby constitutes a Monitoring Committee, comprising of the following, namely:-

S. No.	Constituent of the Monitoring Committee	Designation
(i)	District Collector, Kota	Chairman, ex officio
(ii)	Sub Divisional Officer Kota	Member;
(iii)	Sub Divisional Officer Ramganjmandi	Member;
(iv)	Sub Divisional Officer Jhalawar	Member;
(v)	Sub Divisional Officer Bundi	Member;
(vi)	Sub Divisional Officer Rawatbhata	Member;
(vii)	Honorary Wild Life Warden, Kota	Member;
(viii)	A representative of Non-governmental Organisation working in the field of wildlife conservation to be nominated by the State Government	Member;
(ix)	A expert in Biodiversity nominated by the State Government	Member;
(x)	One expert in Ecology from reputed institution or university of the State	Member;
(xi)	Pradhan Panchayat Samiti Ladpura ,Bhaisororgarh, Jhalarapatan, Talera, Kherabad (for respective area)	Member;
(xii)	Deputy Conservator of Forests, Mukandra Hills Tiger Reserve	Member-Secretary.

6. Terms of reference. – (1) The Monitoring Committee shall monitor the compliance of the provisions of this notification.

- (2) The tenure of the Monitoring committee shall be for three years or till the re-constitution of the new Committee by the State Government and subsequently the Monitoring Committee shall be constituted by the State Government.
- (3) The activities that are covered in the Schedule to the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forests number S.O. 1533 (E), dated the 14th September, 2006, and are falling in the Eco-sensitive Zone, except for the prohibited activities as specified in the Table under **paragraph 4** thereof, shall be scrutinised by the Monitoring Committee based on the actual site-specific conditions and referred to the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change for prior environmental clearances under the provisions of the said notification.
- (4) The activities that are not covered in the Schedule to the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forest number S.O. 1533 (E), dated the 14th September, 2006 and are falling in the Eco-sensitive Zone, except for the prohibited activities

as specified in the Table under paragraph 4 thereof, shall be scrutinised by the Monitoring Committee based on the actual site-specific conditions and referred to the concerned regulatory authorities.

- (5) The Member-Secretary of the Monitoring Committee or the concerned Deputy Commissioner(s) shall be competent to file complaints under section 19 of the Environment Act, against any person who contravenes the provisions of this notification.
- (6) The Monitoring Committee may invite representatives or experts from concerned Departments, representatives from industry associations or concerned stakeholders to assist in its deliberations depending on the requirements on issue to issue basis.
- (7) The Monitoring Committee shall submit the annual action taken report of its activities as on the 31st March of every year by the 30th June of that year to the Chief Wildlife Warden in the State as per proforma appended at Annexure V.
- (8) The Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change may give such directions, as it deems fit, to the Monitoring Committee for effective discharge of its functions.

7. The Central Government and State Government may specify additional measures, if any, for giving effect to provisions of this notification.

8. The provisions of this notification shall be subject to the orders, if any passed or to be passed by the Hon'ble Supreme Court of India or High Court or the National Green Tribunal.

[F. No. 25/01/2020-ESZ]

Dr. SATISH C. GARKOTI, Scientist 'G'

ANNEXURE- I

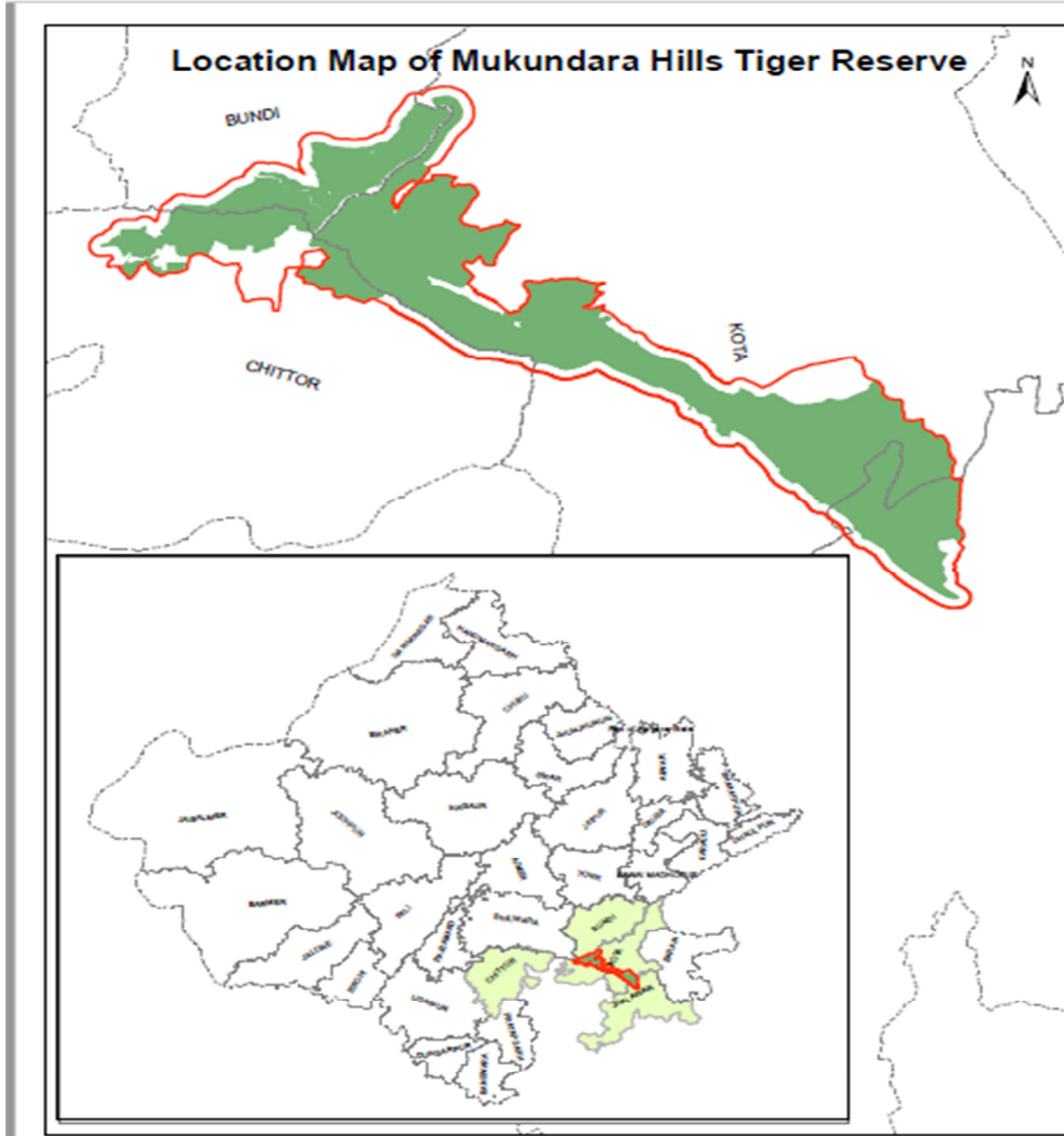
BOUNDARY DESCRIPTION OF MUKUNDARA HILLS TIGER RESERVE AND ITS ECOSENSITIVE ZONE IN THE STATE RAJASTHAN

North	<ul style="list-style-type: none"> • Northern outer boundary of forest block Bard kalaji kishor sagar block boundary, up to Kanwas Range office then Dara kanwas road up to Kanwas tri junction. • From Kanwas trijunction in a width of 1 kilometre along the boundary of the core of the Tiger Reserve to compartment number 57 of Doliya forest block. • From the outer boundary of compartment number 57 of Doliya block to outer boundary of compartment number 58, 59, 51, 37, 35, 33, 32, 31, 43, 48 & 46 which the buffer boundary of the Tiger Reserve including compartment number 31 to 35, 37 to 43, 46 to 51, 57 to 60 and 69. • In one Kilometer width from the outer boundary of compartment number 46 to village Chand baori which is core area of the Tiger Reserve. • Along the outer boundary of 34, 30, 29, 28, 16, 15, 13, 12, 17, 18, 21 including compartment number 7, 12-22, 24-31 of Futa forest block which is the buffer area of the Tiger Reserve. • From the outer boundary of compartment number 21 of Futa forest block to outer boundary of compartment number 10, 15, 12, 11, 8, 7, 1 of forest block Radi Dand including compartment number 2, 3, 4, 5, 6, 9, 13, 14, 16-22 which is the buffer area of the Tiger Reserve to village Borabas from the habitation of village Borabas to compartment number 1 of forest block Chand baori to forest block Borabas in a width of 100 mtr. which is the core area of the Tiger Reserve. • Along the outer boundary of forest block LohDungari which is the buffer area of the
-------	---

	<p>Tiger Reserve to along kota road to Gapernath Nallah which from the boundary of core and buffer area of the Tiger Reserve.</p> <ul style="list-style-type: none"> • In a width of 1 kilometre from Gapernath Nallah to infront of Gardiya Mahadev which is the core area of the Tiger Reserve. • In a width of 1 kilometre from opposite bank of Chambal at Gardiya Mahadev which is also the boundary of National Chambal Ghadiyal Sanctuary to forest block Ambarani and Gudha Rajpura which is the boundary of Tiger Reserve to Bhunjar (Nausera) Ghata.
East	<ul style="list-style-type: none"> • In one Kilometer width from the junction point of Ahu and Kalisindh along the Kalisindh river to along the outer boundary of compartment number 57 & 56 of forest block Mashalpura-B which falls in the core area the Tiger Reserve. • Including Revenue area of village Rajpura, outer boundary of river Kalisindh and outer boundary of compartment number 41, 40, 39, 31, 30, 29, 12, 11, 10, 9, 8, 4, 2, 1 which is also the outer boundary of forest block Mashalpura-B and of the buffer area of the Tiger Reserve to outer boundary of compartment number 1 of Mashalpura-A
South	<ul style="list-style-type: none"> • From the river Brahmni which forms the boundary of Jawahar Sagar Sanctuary and the Tiger Reserve to junction of river Chambal to Rana Pratap Sagar Dam in a width of 0 kilometre due to Bhainsroadgarh Sanctuary on the other side. • From Rana Pratap Sagar Dam along with the road running parallel to Canal to Rawatbhata barrier chouraha to road leading to Borabas till village Badoli in a width of 0 kilometre which is the boundary of JawahrSagarSancauary. • In a width of 1 kilometre from village Badoli along right side of road to Borabas to boundary of forest block KaniyaTalab. • In a width of 1 kilometre along core area including compartment no. 1 & 2 of Kaniya Talab. • From the outer boundary of compartment number 5, 18, 17, 16, 15, 13, 10, 9 & 8 of Kaniya Talab which forms the buffer are of the MHTR. • In a width of 1 kilometre along boundary of forest block Kala Kot to outer boundary of Burjwalichowki forest block which is boundary of core area of Tiger Reserve and also district boundary between Kota & Chittorgarh. • In a width of 1 kilometre from the outer boundary of Burjwalichowki forest block to Ghatoli forest block, Manoharpura forest block to forest block Amjhar-A. • In a width of 1 kilometre from the outer boundary of Amjhar-B including Amjhar river to Kota-Jhalawar road. • In a width of 1 kilometre along the outer boundary of Kheemach-B and outer boundary of Mashalpura-B which is core area of Tiger Reserve and boundary of Darrah Sanctuary up to river Ahu to junction of river Ahu and Kalisindh.
West	<ul style="list-style-type: none"> • In a width of 1 kilometre from Bhunjar (Nausera) Ghata to BhunjarKhurd village Lotiyana which is the boundary of Tiger Reserve. • In a width of 0 kilometre from village Lotiyana to Brahmni river which is the buffer area of the Tiger Reserve.

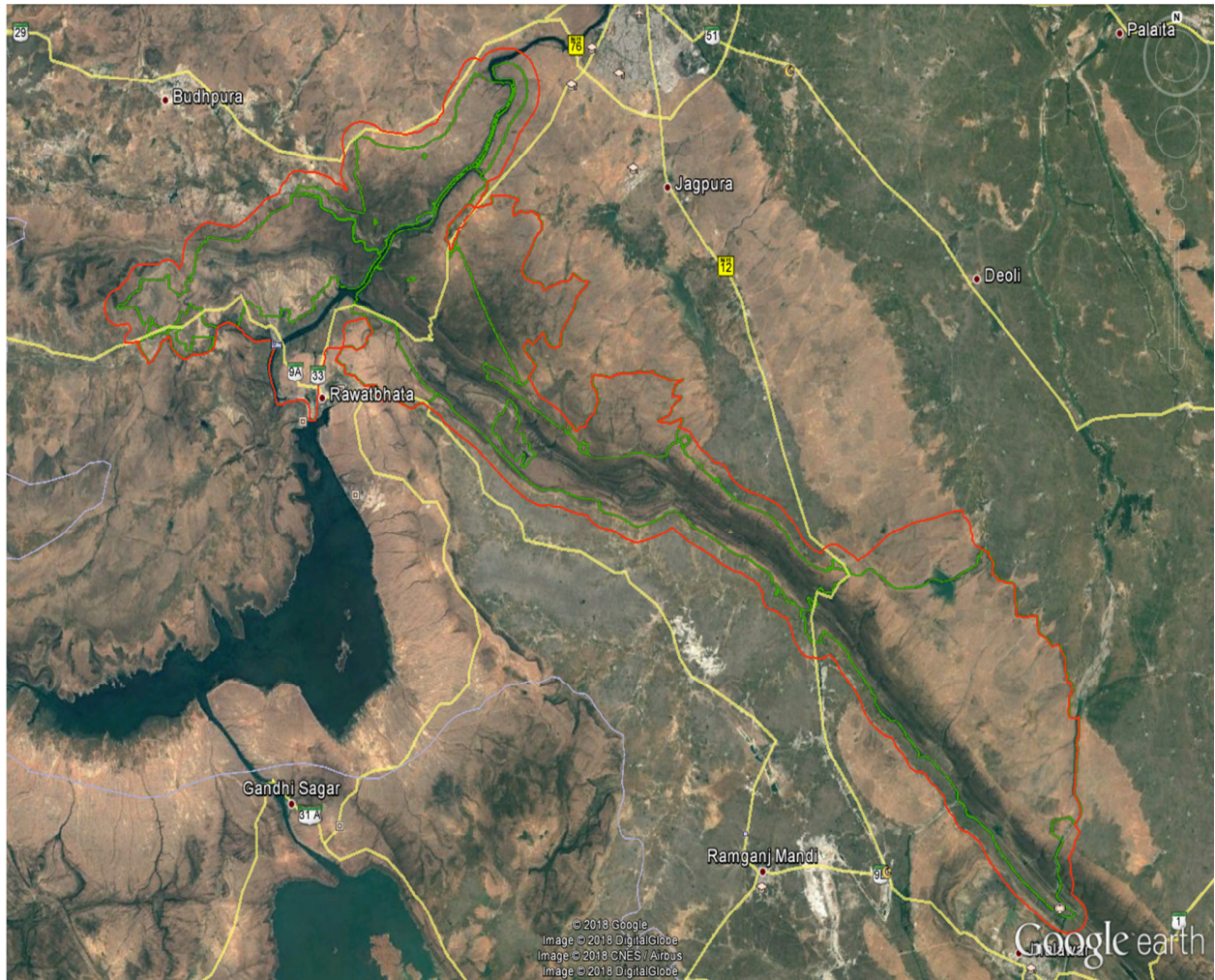
ANNEXURE- IIA

LOCATION MAP OF MUKUNDARA HILLS TIGER RESERVE AND ITS ECO-SENSITIVE ZONE ALONG WITH LATITUDE AND LONGITUDE OF PROMINENT LOCATIONS



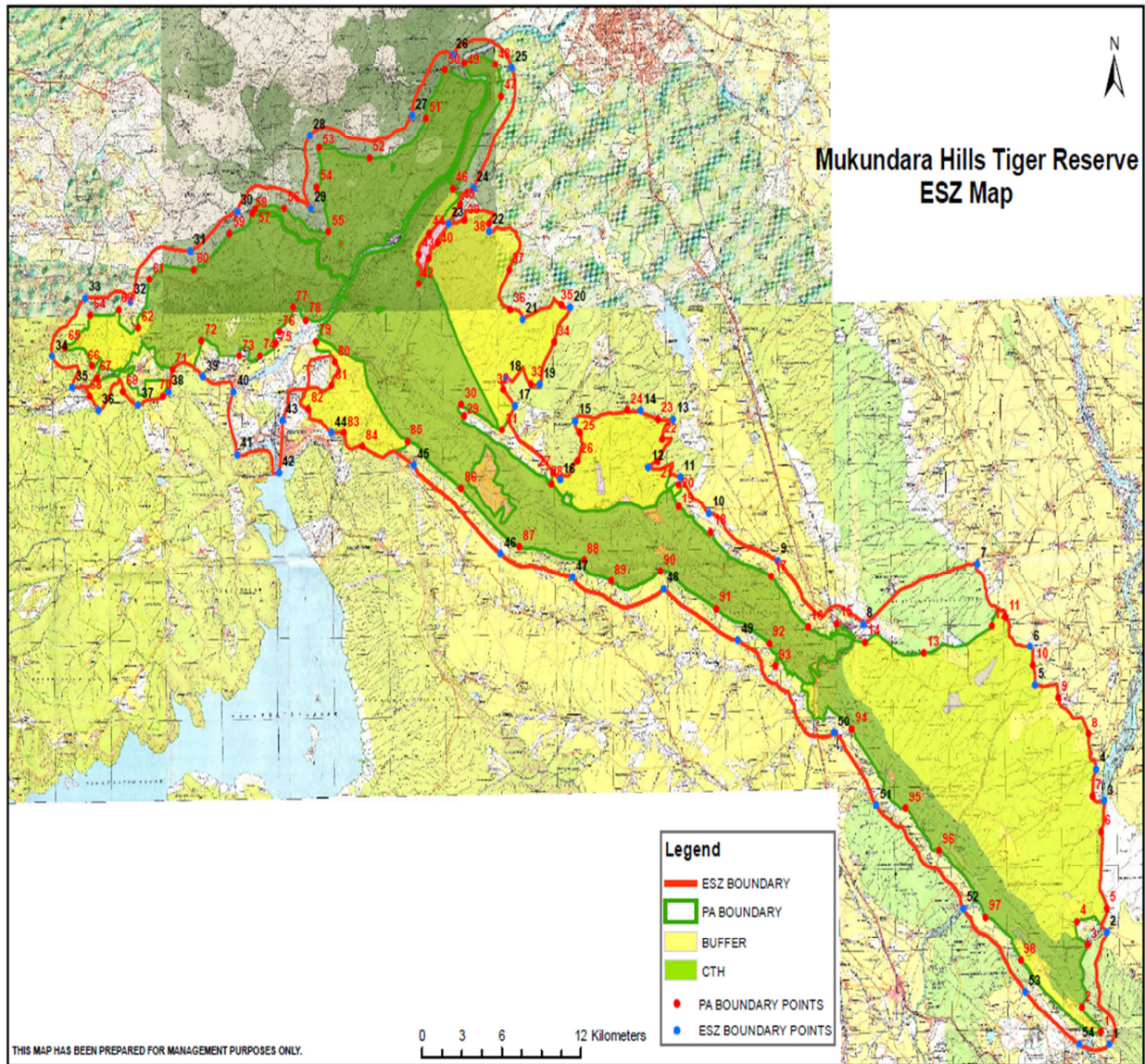
ANNEXURE- IIB

**GOOGLE MAP OF ECO-SENSITIVE ZONE OF MUKUNDARA HILLS TIGER RESERVE
ALONG WITH LATITUDE AND LONGITUDE OF PROMINENT LOCATIONS**



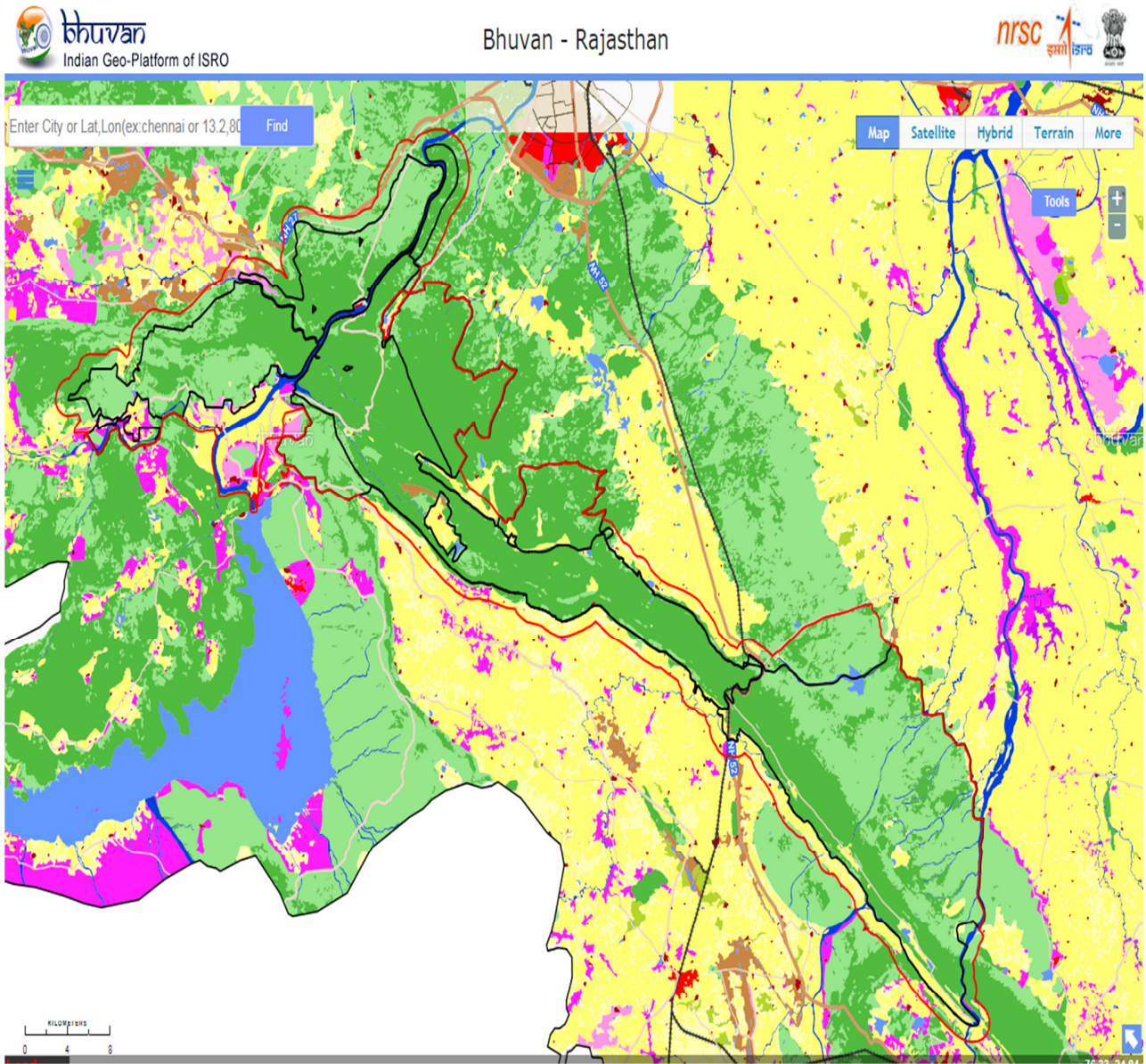
ANNEXURE- IIC

MAP OF ECO-SENSITIVE ZONE OF MUKUNDARA HILLS TIGER RESERVE ALONG WITH LATITUDE AND LONGITUDE OF PROMINENT LOCATIONS ON SURVEY OF INDIA (SOI) TOPOSHEET



ANNEXURE- IID

**MAP SHOWING LANDUSE PATTERN OF ECO-SENSITIVE ZONE OF MUKUNDARA HILLS
TIGER RESERVE ALONG WITH LATITUDE AND LONGITUDE OF PROMINENT
LOCATIONS**



ANNEXURE-III

**TABLE A: GEO- COORDINATES OF PROMINENT LOCATIONS OF MUKUNDARA HILLS
TIGER RESERVE**

S No	Longitude	Latitude
1	76° 11' 37.718" E	24° 37' 18.675" N
2	76° 10' 48.130" E	24° 38' 6.693" N
3	76° 11' 6.840" E	24° 40' 1.207" N
4	76° 10' 38.654" E	24° 40' 45.409" N
5	76° 11' 59.415" E	24° 41' 8.138" N
6	76° 11' 24.910" E	24° 44' 36.852" N
7	76° 11' 16.531" E	24° 46' 31.173" N
8	76° 9' 56.269" E	24° 47' 40.672" N
9	76° 8' 48.810" E	24° 48' 41.862" N
10	76° 7' 36.582" E	24° 50' 11.935" N
11	76° 3' 55.880" E	24° 49' 7.996" N
12	76° 1' 18.457" E	24° 49' 31.623" N
13	76° 0' 3.661" E	24° 50' 6.811" N
14	75° 58' 45.818" E	24° 50' 0.522" N
15	75° 57' 8.765" E	24° 51' 35.793" N
16	75° 54' 27.515" E	24° 53' 0.135" N
17	75° 53' 2.681" E	24° 54' 28.508" N
18	75° 51' 37.832" E	24° 55' 1.756" N
19	75° 52' 8.867" E	24° 56' 30.493" N
20	75° 50' 46.653" E	24° 56' 48.879" N
21	75° 48' 37.382" E	24° 56' 6.930" N
22	75° 47' 25.120" E	24° 54' 55.294" N
23	75° 43' 20.732" E	24° 57' 4.690" N
24	75° 45' 9.797" E	24° 56' 15.252" N
25	75° 45' 14.180" E	24° 57' 29.641" N
26	75° 46' 27.796" E	24° 57' 40.249" N
27	75° 47' 32.188" E	24° 58' 57.297" N
28	75° 47' 52.983" E	25° 0' 3.860" N
29	75° 45' 33.960" E	24° 59' 58.322" N
30	75° 45' 33.156" E	25° 1' 12.335" N
31	75° 44' 39.008" E	25° 2' 37.603" N

S No	Longitude	Latitude
32	75° 43' 34.537" E	25° 2' 44.847" N
33	75° 41' 28.391" E	25° 0' 49.698" N
34	75° 43' 3.517" E	25° 3' 43.699" N
35	75° 45' 16.620" E	25° 6' 33.483" N
36	75° 45' 1.518" E	25° 7' 32.469" N
37	75° 43' 38.339" E	25° 7' 36.182" N
38	75° 42' 45.296" E	25° 7' 23.600" N
39	75° 39' 20.003" E	25° 4' 42.008" N
40	75° 37' 4.800" E	25° 5' 3.195" N
41	75° 36' 57.627" E	25° 3' 50.016" N
42	75° 37' 27.735" E	25° 2' 27.435" N
43	75° 35' 29.519" E	25° 3' 12.451" N
44	75° 34' 10.757" E	25° 3' 12.129" N
45	75° 34' 1.844" E	25° 3' 4.471" N
46	75° 33' 1.402" E	25° 2' 25.882" N
47	75° 31' 23.170" E	25° 1' 21.947" N
48	75° 29' 23.885" E	25° 1' 6.004" N
49	75° 28' 52.934" E	24° 59' 36.620" N
50	75° 28' 0.745" E	25° 0' 10.518" N
51	75° 26' 44.065" E	25° 0' 1.666" N
52	75° 25' 34.897" E	24° 59' 2.516" N
53	75° 26' 46.899" E	24° 58' 27.137" N
54	75° 26' 40.084" E	24° 57' 31.488" N
55	75° 28' 10.120" E	24° 57' 38.561" N
56	75° 29' 57.637" E	24° 57' 28.285" N
57	75° 30' 23.451" E	24° 58' 19.167" N
58	75° 31' 42.952" E	24° 59' 10.774" N
59	75° 33' 23.894" E	24° 58' 42.214" N
60	75° 35' 3.571" E	24° 59' 4.324" N
61	75° 35' 49.811" E	25° 0' 8.637" N
62	75° 36' 24.492" E	24° 59' 45.966" N
63	75° 36' 50.523" E	24° 59' 5.829" N
64	75° 37' 41.312" E	24° 58' 27.538" N
65	75° 37' 32.543" E	24° 57' 43.563" N

S No	Longitude	Latitude
66	75° 36' 28.643" E	24° 57' 1.772" N
67	75° 38' 52.959" E	24° 55' 49.334" N
68	75° 40' 54.251" E	24° 55' 57.052" N
69	75° 43' 17.878" E	24° 54' 29.210" N
70	75° 45' 52.466" E	24° 52' 39.148" N
71	75° 48' 45.627" E	24° 52' 12.211" N
72	75° 52' 11.405" E	24° 51' 49.830" N
73	75° 54' 40.542" E	24° 50' 38.425" N
74	75° 57' 17.783" E	24° 48' 50.037" N
75	76° 0' 40.650" E	24° 46' 49.423" N
76	76° 3' 1.763" E	24° 44' 22.018" N
77	76° 5' 59.694" E	24° 41' 50.939" N
78	76° 8' 6.738" E	24° 39' 35.260" N

TABLE B: GEO-COORDINATES OF PROMINENT LOCATIONS OF ECO-SENSITIVE ZONE

S. No	Longitude	Latitude
1	76° 12' 1.303" E	24° 36' 54.185" N
2	76° 11' 57.562" E	24° 40' 24.116" N
3	76° 11' 55.730" E	24° 44' 27.268" N
4	76° 11' 36.179" E	24° 45' 26.774" N
5	76° 8' 53.407" E	24° 48' 4.796" N
6	76° 8' 41.905" E	24° 49' 16.365" N
7	76° 6' 22.375" E	24° 51' 51.167" N
8	76° 1' 14.503" E	24° 50' 4.806" N
9	75° 57' 25.742" E	24° 52' 4.366" N
10	75° 54' 23.647" E	24° 53' 33.696" N
11	75° 53' 7.772" E	24° 54' 41.751" N
12	75° 51' 41.381" E	24° 55' 1.029" N
13	75° 52' 49.628" E	24° 56' 29.831" N
14	75° 51' 21.941" E	24° 56' 47.661" N
15	75° 48' 26.305" E	24° 56' 29.902" N
16	75° 47' 43.878" E	24° 54' 42.135" N
17	75° 45' 44.613" E	24° 56' 59.627" N
18	75° 45' 21.221" E	24° 57' 53.618" N
19	75° 46' 52.531" E	24° 57' 39.139" N

S. No	Longitude	Latitude
20	75° 48' 16.253" E	24° 59' 59.688" N
21	75° 46' 7.502" E	24° 59' 40.052" N
22	75° 44' 39.171" E	25° 2' 22.405" N
23	75° 42' 50.526" E	25° 2' 38.502" N
24	75° 43' 58.427" E	25° 3' 43.748" N
25	75° 45' 45.717" E	25° 7' 25.582" N
26	75° 43' 6.934" E	25° 7' 51.656" N
27	75° 41' 15.819" E	25° 6' 0.346" N
28	75° 36' 39.889" E	25° 5' 26.475" N
29	75° 36' 40.850" E	25° 3' 11.878" N
30	75° 33' 23.020" E	25° 3' 7.359" N
31	75° 31' 14.552" E	25° 1' 55.908" N
32	75° 28' 32.597" E	25° 0' 25.224" N
33	75° 26' 30.799" E	25° 0' 31.842" N
34	75° 25' 0.503" E	24° 58' 46.295" N
35	75° 25' 54.273" E	24° 57' 48.256" N
36	75° 27' 4.289" E	24° 57' 4.212" N
37	75° 28' 51.017" E	24° 57' 13.463" N
38	75° 30' 12.968" E	24° 57' 36.138" N
39	75° 31' 45.763" E	24° 58' 3.663" N
40	75° 33' 7.151" E	24° 57' 34.190" N
41	75° 33' 16.132" E	24° 55' 37.935" N
42	75° 35' 8.395" E	24° 55' 3.621" N
43	75° 35' 18.458" E	24° 56' 40.162" N
44	75° 37' 29.974" E	24° 56' 15.385" N
45	75° 41' 10.781" E	24° 55' 12.856" N
46	75° 45' 1.831" E	24° 52' 27.473" N
47	75° 48' 14.830" E	24° 51' 42.187" N
48	75° 52' 18.898" E	24° 51' 17.312" N
49	75° 55' 37.001" E	24° 49' 40.602" N
50	75° 59' 52.919" E	24° 46' 43.804" N
51	76° 1' 43.965" E	24° 44' 28.484" N
52	76° 5' 33.607" E	24° 41' 13.646" N
53	76° 8' 17.748" E	24° 38' 36.674" N
54	76° 10' 39.892" E	24° 36' 55.819" N

ANNEXURE-IV

**LIST OF VILLAGES COMING UNDER ECO-SENSITIVE ZONE OF MUKUNDARA HILLS
TIGER RESERVE ALONG WITH GEO-COORDINATES**

Sr. No	Village Name	Type of Village*	Tehsil/ Taluka	District	Latitude (N) (DMS Format)	Longitude (E) (DMS Format)
1.	Rathkakra	Revenue	Ladpura	Kota	N25°3'11.80"	E 75°43'47.22"
2.	Jamuniya Bawri	Revenue	Ladpura	Kota	N25°3'54.42"	E 75°43'39.73"
3.	Borabas	Revenue	Ladpura	Kota	N25°1'14.49"	E 75°41'40.96"
4.	Akhawaagricultral Land	Revenue	Ladpura	Kota	N25°0'6.51"	E 75°44'54.02"
5.	Chandbawri	Revenue	Ladpura	Kota	N24°56'6.35"	E 75°44'52.66"
6.	Kolipura	Revenue	Ladpura	Kota	N24°57'46.11"	E 75°40'0.65"
7.	Girdharpura	Revenue	Ladpura	Kota	N24°54'46.90"	E 75°44'29.27"
8.	Damodarpura	Revenue	Ladpura	Kota	N24°52'30.05"	E 75°52'12.25"
9.	Kishanpura	Revenue	Ladpura	Kota	N24°53'9.70"	E 75°46'59.71"
10.	Nayagav/Jaspura	Revenue	Ladpura	Kota	N24°54'10.33"	E 75°48'10.68"
11.	Kesavpura	Revenue	Ladpura	Kota	" N24°53'47.50"	E 75°49'39.72"
12.	Mandargarh	Revenue	Ladpura	Kota	" N24°53'34.42"	E 75°51'38.52"
13.	Mohanpura	Revenue	Ladpura	Kota	N24°53'44.66"	E 75°53'37.56"
14.	Ravtha	Revenue	Ladpura	Kota	N24°52'26.18"	E 75°53'23.54"
15.	Haripura	Revenue	Ladpura	Kota	N24°52'23.25"	E 75°55'50.65"
16.	KawarpuraAgricultural Land	Revenue	Sangod	Kota	N24°52'29.79"	E 75°56'28.72"
17.	Bhawriya Dadpura Agricultural Land	Revenue	Sangod	Kota	N24°52'24.27"	E 75°56'55.23"
18.	Kothla	Revenue	Sangod	Kota	N24°50'39.42"	E 75°58'26.02"
19.	Padampura	Revenue	Kanwas	Kota	N24°50'20.63"	E 75°58'49.70"
20.	Dara Station	Revenue	Kanwas	Kota	N24°49'58.90"	E 76°0'30.00"
21.	Morukalan	Revenue	Kanwas	Kota	N24°49'30.46"	E 76°1'8.62"
22.	Amjhar	Revenue	Kanwas	Kota	N24°47'57.56"	E 75°58'38.37"
23.	Pipalda	Revenue	Kanwas	Kota	N24°46'54.04"	E 75°58'35.57"
24.	MinyaKhedhi	Revenue	Kanwas	Kota	N24°48'13.06"	E 75°57'0.35"
25.	Bhatwara	Revenue	Kanwas	Kota	N24°47'53.79"	E 75°57'44.05"
26.	Bhatwarakidhani	Revenue	Kanwas	Kota	N24°48'9.35"	E 75°57'34.86"
27.	Jhamra	Revenue	Kanwas	Kota	N24°49'21.96"	E 75°56'46.22"
28.	Nayagav	Revenue	Kanwas	Kota	N24°49'24.08"	E 75°56'6.13"
29.	Manoharpura	Revenue	Kanwas	Kota	N24°50'2.51"	E 75°55'48.71"
30.	Bakshpura	Revenue	Sangod	Kota	N24°50'57.24"	E 75°53'30.31"
31.	Ghatoli	Revenue	Sangod	Kota	N24°51'47.22"	E 75°52'10.86"

Sr. No	Village Name	Type of Village*	Tehsil/ Taluka	District	Latitude (N) (DMS Format)	Longitude (E) (DMS Format)
32	Balkho	Revenue	Sangod	Kota	N24°51'26.15"	E 75°50'4.67"
33	Rail gerabad	Revenue	Ladpura	Kota	N24°56'40.73"	E 75°50'3.37"
34	Kailashnagri	Revenue	Ladpura	Kota	N24°44'41.73"	E 76°07'30.22"
35	DhawadKhurd	Revenue	Rawatbhata	Chittorgarh	N24°51'39.77"	E 75°48'43.18"
36	Kothra	Revenue	Rawatbhata	Chittorgarh	N24°52'13.19"	E 75°45'24.44"
37	Karanpura	Revenue	Rawatbhata	Chittorgarh	N24°51'54.96"	E 75°45'21.20"
38	Dhardi	Revenue	Rawatbhata	Chittorgarh	N24°52'19.80"	E 75°47'1.16"
39	BamboriKhurd	Revenue	Rawatbhata	Chittorgarh	N24°52'27.34"	E 75°45'8.60"
40	Bhagwatpura	Revenue	Rawatbhata	Chittorgarh	N24°53'21.02"	E 75°43'57.71"
41	NaiTalai	Revenue	Rawatbhata	Chittorgarh	N24°53'48.84"	E 75°43'29.52"
42	Malpura	Revenue	Rawatbhata	Chittorgarh	N24°53'32.25"	E 75°44'4.47"
43	Dhaneshwer	Revenue	Dabi	Bundi	N25°3' 56.98"	E 75°35'11.83"
44	Khera	Revenue	Dabi	Bundi	N25°3' 53.04"	E 75°34'36.60"
45	Gudha	Revenue	Dabi	Bundi	N25°3' 3.34"	E 75°33'8.19"
46	Bhunjarkhurd	Revenue	Rawatbhata	Chittorgarh	N25°0' 2.35"	E 75°28'34.35"
47	Bhunjar Kalan	Revenue	Rawatbhata	Chittorgarh	N25°0' 51.30"	E 75°28'31.83"
48	Lotiyana	Revenue	Rawatbhata	Chittorgarh	N24°57' 36.20"	E 75°26'24.68"
49	Rawatbhata	Revenue	Rawatbhata	Chittorgarh	N24°56'6.39"	E 75°35'18.57"
50	Badoliya	Revenue	Rawatbhata	Chittorgarh	N24°57' 55.75"	E 75°34'59.09"
51	Nagni	Revenue	Rawatbhata	Chittorgarh	N24°57'26.41"	E 75°36'10.99"
52	JawaraKhurd	Revenue	Rawatbhata	Chittorgarh	N24°58' 14.63"	E 75°36'47.53"
53	Golbav	Revenue	Jhalarapatan	Jhalawar	N24°49' 54.33"	E 76°8'2.41"
54	Fazalpur Agricultural Land	Revenue	Jhalarapatan	Jhalawar	N24°37'23.75"	E 76°10'16.34"
55	Berkheri Agricultural Land	Revenue	Jhalarapatan	Jhalawar	N24°36' 27.68"	E 76°12'49.12"
56	Naza Agricultural Land	Revenue	Jhalarapatan	Jhalawar	N24°38' 32.70"	E 76°8'50.34"
57	Dhanwas Agricultural Land	Revenue	Jhalarapatan	Jhalawar	N24°39' 46.9"	E 76°7'29.27"
58	Khokhanda Agricultural	Revenue	Jhalarapatan	Jhalawar	N24°40' 34.99"	E 76°6'3.39"
59	Rajpura Agricultural Land	Revenue	Jhalarapatan	Jhalawar	N24°40' 49.72"	E 76°11'23.14"
60	Badodiya Agricultural Land	Revenue	Rawatbhata	Chittorgarh	N24°41' 19.97"	E 76°5'12.44"
61	Jhalra Agricultural Land	Revenue	Ladpura	Kota	N24°42'2.71"	E 76°4'47.43"
62	Jhiri Agricultural Land	Revenue	Ladpura	Kota	N24°42'35.73"	E 76°4'7.65"

Sr. No	Village Name	Type of Village*	Tehsil/ Taluka	District	Latitude (N) (DMS Format)	Longitude (E) (DMS Format)
63	Jamuniya Agricultural Land	Revenue	Ladpura	Kota	N24°43'12.92"	E 76°3'28.50"
64	KharliBawari Agricultural Land	Revenue	Ladpura	Kota	N24°43'47.67"	E 76°2'54.47"
65	Nayagav Agricultural Land	Revenue	Ramjangmandi	Kota	N24°44'24.61"	E 76°1'56.12"
66	ManpuraAgricultural Land	Revenue	Ramjangmandi	Kota	N24°45'31.3"	E 76°1'10.69"
67	Dhani Agricultural Land	Revenue	Ramjangmandi	Kota	N24°44'54.37"	E 76°1'23.70"
68	KukadaKhurd Agricultural Land	Revenue	Ramjangmandi	Kota	N24°46'38.63"	E 75°59'49.93"
69	Kamalpura Agricultural Land	Revenue	Ramjangmandi	Kota	N24°46'57.68"	E 75°59'7.17"
70	Minyakhedi Agricultural Land	Revenue	Ramjangmandi	Kota	N24°48'13.06"	E 75°57'0.35"
71	Pipalda Agricultural Land	Revenue	Ramjangmandi	Kota	N24°46'54.04"	E 75°58'35.57"
72	Amjhar Agricultural Land	Revenue	Ramjangmandi	Kota	N24°47'57.56"	E 75°58'38.37"
73	Kaliya Kui	Revenue	Sangod	Kota	N24°49'32.41"	E 76°02'24.33"
74	Morukalan	Revenue	Sangod	Kota	N24°49'41.51"	E 76°01'01.17"
75	Morukhurd	Revenue	Sangod	Kota	N24°50'12.39"	E 76°01'23.64"

ANNEXURE –V**Performa of Action Taken Report:**

1. Number and date of meetings.
2. Minutes of the meetings: (mention noteworthy points. Attach minutes of the meeting as separate Annexure).
3. Status of preparation of Zonal Master Plan including Tourism Master Plan.
4. Summary of cases dealt with rectification of error apparent on face of land record (Eco-sensitive Zone wise). Details may be attached as Annexure.
5. Summary of cases scrutinised for activities covered under the Environment Impact Assessment Notification, 2006 (Details may be attached as separate Annexure).
6. Summary of cases scrutinised for activities not covered under the Environment Impact Assessment Notification, 2006 (Details may be attached as separate Annexure).
7. Summary of complaints lodged under section 19 of the Environment (Protection) Act, 1986.
8. Any other matter of importance.